सतना
18 जून 2026 गुरूवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

दैनिक मीडिया ऑडीटर

सतना, रीवा एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

: ब्रीफ बॉक्स :

अन्नामलाई 14 सितंबर को अपनी पार्टी घोषित करेंगे

टीम में 50 से कम उम्र के ही सदस्य होंगे; 'वी द लीडर' आंदोलन चला रहे

नई दिल्ली,एजेंसी। तमिलनाडु भाजपा के पूर्व अध्यक्ष और पूर्व आईपीएस अधिकारी के. अन्नामलाई 14 सितंबर को अपनी नई पार्टी के नाम, नीति और संगठन की घोषणा करेंगे। वे नवंबर-दिसंबर में पूरे राज्य का दौरा करेंगे। अन्नमलाई 'वी द लीडर' आंदोलन के जरिए युवाओं को जोड़ रहे हैं। अपने गृहनगर अरावकुरिची में प्रशिक्षण शिविर शुरू किया है।

एनसीआर के चारों राज्यों में बनेगी एक-एक नमो सिटी

दिल्ली-एनसीआर में लगने वाले प्रतिबंध से राहत मिलेगी

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली-एनसीआर में चार ग्रीन फील्ड ब्लू सिटी (नमो सिटी) विकसित होंगी। एनसीआर में शामिल चारों राज्यों दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान व उत्तर प्रदेश में एक-एक नमो सिटी होगी, जिन्हें एक चुनौती के जरिए चुना जाएगा।शहरी मामले मंत्रालय ने नमो सिटी विकास के लिए अगले 5 वर्ष में 5 हजार करोड़ रुपए खर्च करने का प्रावधान रखा है। एनसीआर प्लानिंग बोर्ड की 42वीं बैठक में मंगलवार को यह फैसला हुआ।

पीएम के विशेष विमान में राष्ट्रीय प्रतीक की अधूरी झलक

डूंगरपुर की 13 साल की लड़की ने पकड़ी चूक

» पीएमओ को पत्र लिखकर दिया सुझाव

डूंगरपुर,एजेंसी। जिस बात पर वर्षों से देश के बड़े-बड़े अधिकारियों, तकनीकी विशेषज्ञों और प्रोटोकॉल से जुड़े लोगों का ध्यान नहीं गया, उसे डूंगरपुर की 13 साल की बेटी ने पकड़ लिया। आठवीं कक्षा में पढ़ने वाली किम भारतीय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विशेष विमान 'एयर इंडिया वन' पर अंकित राष्ट्रीय प्रतीक 'अशोक स्तंभ' की अधूरी दिखाई देने वाली छवि को लेकर चिंता जताई है। उसने इस संबंध में 15 जून को सीधे प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) को पत्र लिखकर सुझाव भेजा है।

फ्रांस और स्लोवाकिया यात्रा के दौरान टीवी पर देखा तो खटका... किम प्रधानमंत्री की विदेश यात्राओं से ुड़ी खबरें और तस्वीरें नियमित रूप से देखती हैं। हाल ही में जब प्रधानमंत्री फ्रांस और स्लोवाकिया की यात्रा पर थे, तब टीवी पर प्रसारित दृश्यों को देखते हुए किम की नजर एक तकनीकी चूक पर गई। उसने गौर किया कि जैसे ही विमान का मुख्य दरवाजा खुलता है।

गुजरात में सड़क हादसे में 6 की मौत, 31 घायल

मरने वालों में 9 साल का बच्चा भी, बांसवाड़ा से सूरत जा रही बस खड़े ट्रक से टकराई

वडोदरा,एजेंसी। गुजरात के वडोदरा में कोटांबी स्टेडियम के पास बुधवार सुबह एक स्लीपर बस और ट्रक की टक्कर में 6 लोगों की मौत हो गई। 31 लोग घायल हैं। मृतकों में एक 9 साल का बच्चा भी शामिल है।

शुरुआती जानकारी के अनुसार, बालाजी ट्रैवल्स की लग्जरी बस राजस्थान के बांसवाड़ा से सूरत जा रही थी। वडोदरा में बस सड़क किनारे खड़े एक ट्रक से टकरा गई।

टक्कर इतनी जोरदार थी कि कई यात्री बस में फंस गए। सूचना मिलते ही स्थ्रक्र्न, ह्थ्रक्र्न और वडोदरा फायर विभाग की टीमें मौके पर पहुंचीं और रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। सभी घायलों को एसएसजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे के कारण इलाके में लंबा जाम लग गया था।

गुजरात में सूरत जिले के बारडोली के पास दो जून को भी दो बसें टकरा गई थीं। हादसे में 7 यात्रियों की मौत हो गई, जबकि 10 से ज्यादा घायल हो गए। टक्कर के बाद एक बस के पलटते ही उसमें आग लग गई थी। दोनों बसें महाराष्ट्र की हैं। हादसा सड़क पर पलटे एक टैंकर को बचाने की कोशिश के दौरान हुआ। टैंकर की टक्कर से बचाने की कोशिश में एक बस ड्राइवर का स्टीयरिंग पर कंट्रोल नहीं रहा और बस डिवाइडर पार कर दूसरी लेन में जाकर सामने से आ रही दूसरी बस से टकरा गई।

गुरुग्राम में 'पीस डॉग' आलोका से मिलने उमड़ी भीड़

3,700 किमी की पदयात्रा कर चर्चा में आया; इंस्टाग्राम पर 4.82 लाख फॉलोअर

गुरुग्राम,एजेंसी। हरियाणा के गुरुग्राम में 'आलोका' नाम के एक डॉग से मिलने के लिए हजारों लोग इकट्ठा हुए। कार्यक्रम में पशु प्रेमियों ने डॉग के साथ कई फोटोज भी क्लिक कराए। वहीं एक प्रसंशक डॉक के पास बैठकर हाथ जोड़े भी नजर आया।

आलोका ने 2 दिन पहले दिल्ली में बोद्ध भिक्षुओं संग पूर्व केंद्रीय मंत्री मेनका गांधी से भी मिला। इससे पहले आलोका ने बोद्ध भिक्षुओं के साथ अमेरिका में वॉक फॉर पीस में करीब 3700 किलोमीटर की पैदल यात्रा की है। इस यात्रा के बाद आलोका भारत आया।

बौद्ध भिक्षु पन्नकारा ने बताया... आलोका कोलकाता की गलियों में घूसता रहता है। एक शांति यात्रा के दौरान ही बौद्ध भिक्षुओं की इससे मुलाकात हुई। इसके बाद आलोका ने उनके साथ कई देशों की शांति यात्रा की।

शिवसेना यूबीटी के छह बागी सांसदों ने पार्टी छोड़ी, शिंदे समूह में शामिल होंगे

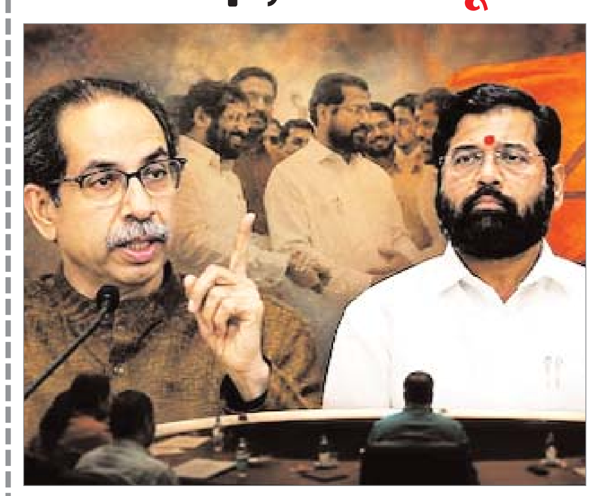

मुंबई,एजेंसी। शिवसेना यूबीटी के छह बागी सांसदों ने बुधवार को पार्टी छोड़कर अलग गुट बना लिया है। यह सभी बागी सांसद 19 जून को शिवसेना के शिंदे समूह में शामिल होने वाले हैं। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के कार्यालय ने इन सभी छह बागी सांसदों को अलग गुट की मान्यता दे दी है। शिंदे समूह की राष्ट्रीय प्रवक्ता साईना एनसी ने बुधवार को बताया कि उनकी पार्टी का ऑपरेशन 'प्रगति' सफल हो गया है। बहुत जल्द यह सभी छह सांसद उनकी पार्टी में शामिल होंगे।

शिवसेना यूबीटी के नौ सांसद वर्ष 2024 में हुए लोकसभा चुनाव में जीते थे। इनमें से धाराशिव से ओमराजे निंबालकर, परभणी से संजय जाधव, मुंबई उत्तर-पूर्व से संजय दीना पाटिल, हिंगोली से नागेश पाटिल अष्टिकर, शिरडी से भाऊसाहेब वाकचौरे और यवतमाल-वाशिम से संजय देशमुख ने आज पार्टी से बगावत कर अलग गुट बनाया है। हालांकि, शिवसेना यूबीटी के अनिल देसाई, अरविंद सावंत और राजाभाऊ वाजे अब भी शिवसेना यूबीटी के साथ हैं।

उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की कानूनी टीम दिल्ली पहुंच गई है और इन सभी सांसदों के शिंदे गुट में शामिल होने से जुड़ी संवैधानिक औपचारिकताओं को पूरा करने का प्रयास कर रही है। शिंदे ने अपनी टीम को निर्देश दिया है कि वे कानूनी विवादों या तकनीकी समस्याओं से बचने के लिए सुनिश्चित करें कि संभावित राजनीतिक घटनाक्रमों के बीच सभी प्रक्रियाएं नियमों के अनुसार हों। शिवसेना यूबीटी के प्रवक्ता संजय राऊत ने इन सभी सांसदों पर दबाव डालकर तोड़ने का आरोप लगाया है। जबकि शिंदे समूह के सांसद नरेश म्हस्के ने कहा कि सभी सांसद पार्टी नेतृत्व से नाराज थे, इसलिए इन सभी ने पार्टी से बगावत की है और उनकी पार्टी में शामिल होने का मन बना चुके हैं। नरेश म्हस्के ने कहा कि संजय राऊत को अपने सांसदों की समस्याओं पर ध्यान देना चाहिए।

रांची में संघ कार्यालय पर फेंका गया पेट्रोल बम

रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ बोले- बड़ी साजिश का संकेत

रांची,एजेंसी। झारखंड की राजधानी रांची के चुटिया थाना के निवारणपुर स्थित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के कार्यालय पर मंगलवार देरसत पेट्रोल बम से हमला करने की कोशिश की गई है।

पुलिस के अनुसार, दो अपराधियों ने सॉस की बोतल में पेट्रोल भरकर उन्हें आरएसएस दफ्तर के अंदर फेंकने की कोशिश की। दोनों बोतलें बाउंड्री से ठीक पहले गिर गईं, इसलिए बड़ी अनहोनी टल गई।

सिटी एसपी पारस राणा ने बताया कि घटना की जांच शुरू कर दी गई है। अब तक मिली जानकारी के अनुसार इस घटना में दो युवक शामिल हैं। जांच में एफएसएल सहित कई टीमों को लगाया गया है। हाथे लगे सीसीटीवी फुटेज में दो हमलावर पेट्रोल भरी बोतलें आरएसएस कार्यालय पर फेंकने की कोशिश करते दिख रहे हैं। पहली बोतल फेंकते समय आग लगी हुई सुतली जमीन पर गिर गई। इस वजह से प्रयास निष्फल हो गया। दूसरी बोतल कार्यालय के पास तक नहीं पहुंची। उन्होंने कहा पेट्रोल बम तैयार करने में चिली सॉस की बोतल का प्रयोग किया गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि चर्चा यह है कि आरएसएस कार्यालय के पास स्थित एक होटल के कुछ कर्मचारी पूरे मामले में संदिग्ध है। कुछ दिन पहले आरएसएस कार्यालय के कुछ लोगों ने गंदगी और अन्य वजह से होटल के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई गई थी । इसी के बाद से यह विवाद चला आ रहा था। पुलिस को भी आशंका है कि इस हमले में होटल के कर्मचारियों का हाथ हो सकता है। इस घटना की सूचना मिलते ही केंद्रीय रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ, भाजपा नेता बाबूलाल मरांडी आरएसएस ऑफिस पहुंचे। भाजपा नेताओं ने राजधानी की कानून व्यवस्था पर सवाल उठाया है।

अमेरिका ने सबसे बड़े सैन्य कमांड से 'इंडो' शब्द हटाया

चीन के खिलाफ भारत को अहमियत देने के लिए ट्रम्प ने ही नाम बदला था

वॉशिंगटन डीसी,एजेंसी। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय ने घोषणा की है कि यूएस इंडो-पैसिफिक कमांड (यूएसआईएनडीओपैकोम) का नाम बदलकर फिर से यूएस पैसिफिक कमांड (यूएसपैकोम) कर दिया गया है। अब इस कमांड से 'इंडो' शब्द हटा दिया गया है।

अमेरिकी रक्षा मंत्री जिम मैटिस ने 2018 में कमांड के नाम में बदलाव किया था। उस समय अमेरिका ने कहा था कि हिंद महासागर (इंडियन ओशन) क्षेत्र का रणनीतिक महत्व बढ़ रहा है और यह क्षेत्र प्रशांत महासागर (पैसिफिक ओशन) की सुरक्षा व्यवस्था से पहले की तुलना में ज्यादा जुड़ गया है।

2018 में अमेरिकी रक्षा मंत्री जिम मैटिस ने इस सैन्य कमांड का नाम बदलकर इंडो-पैसिफिक कमांड कर दिया था। अमेरिका का कहना था कि हिंद महासागर का महत्व तेजी से बढ़ रहा है और अब हिंद महासागर तथा प्रशांत महासागर की सुरक्षा और रणनीति एक-दूसरे से पहले से ज्यादा जुड़ गई हैं। इसलिए कमांड के नाम में इंडो (हिंद महासागर) को भी शामिल किया गया था।

उत्तराखंड-हिमाचल के 17 गांव डूबेंगे तो 6 राज्यों को फायदा

किशाऊ परियोजना पर बनी सहमति, अब कैबिनेट मंजूरी का इंतजार

देहरादून,एजेंसी। करीब 86 साल से फाइलों और बैठकों के बीच अटकी किशाऊ बहु-उद्देशीय बांध परियोजना अब अपने सबसे अहम पड़ाव पर पहुंच गई है। वर्षों से जल बंटवारे, लागत साझेदारी और राज्यों के बीच सहमति जैसे मुद्दों में उलझी यह परियोजना आखिरकार आगे बढ़ती दिखाई दे रही है। मंगलवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में नई दिल्ली में हुई महत्वपूर्ण बैठक में हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और राजस्थान किशाऊ परियोजना के क्रियान्वयन के लिए समझौता ज्ञापन (MoU) पर सहमत हो गए हैं। इसके साथ ही उत्तर भारत की सबसे महत्वपूर्ण जल परियोजनाओं में शामिल किशाऊ बांध के निर्माण की दिशा में बड़ा रास्ता साफ हो गया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार लंबे समय से लंबित राष्ट्रीय महत्व की परियोजनाओं को सहमति के जरिए आगे बढ़ाने की कोशिश कर रही है। किशाऊ परियोजना पर बनी यह सहमति भी उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। रूश पर हस्ताक्षर होने के बाद परियोजना को अंतिम मंजूरी के लिए केंद्रीय मंत्रिमंडल के सामने रखा जाएगा।

बैठक में क्या हुआ फैसला?

सबसे अहम फैसला परियोजना के जल घटक की लागत को लेकर हुआ। तय किया गया कि जल घटक के कार्य की कुल लागत का 90 प्रतिशत हिस्सा केंद्र सरकार केंद्रीय सहायता के रूप में वहन करेगी। शेष 10 प्रतिशत खर्च छह राज्यों– हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और राजस्थान द्वारा साझा किया जाएगा। बैठक में एक और महत्वपूर्ण सहमति बनी। हिमाचल प्रदेश के विद्युत घटक की लागत में हिस्सेदारी के बदले हिमाचल प्रदेश को आवंटित पानी का हिस्सा दिल्ली और राजस्थान को उपलब्ध कराया जाएगा।

भागवत बोले: इतिहासकार केवल नैरेटिव बनाते हैं

● हल्दीघाटी के युद्ध में विजय केवल महाराणा प्रताप की हुई ● मुगलों को पीछे हटना पड़ा

उदयपुर,एजेंसी। उदयपुर में राष्ट्र चेतना संकल्प सभा में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि हल्दीघाटी के युद्ध को लेकर इतिहासकारों ने केवल नैरेटिव बनाया। युद्ध में केवल विजय महाराणा प्रताप की हुई।

मुगलों के ही इतिहासकार लिखते हैं कि मुगलों को पीछे खिसकना पड़ा। फिर विजय किसकी हुई? सभा में निम्बार्क पीठ के पीठाधीश्वर ने कहा कि- हमें एक रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि मलयुक्त कीचड़ से कॉकारोचों की जन्म होता है। हमें ध्यान रखना होगा कि हमें उस ओर जाना है जहां कीचड़ से कमल पैदा होता है।

दरअसल, महाराणा प्रताप की जयंती 486वीं जयंती और हल्दीघाटी विजय के 450 साल पूरे होने पर उदयपुर में तीन दिवसीय कार्यक्रम किए जा रहे हैं। इसी क्रम में आज उदयपुर के गांधी ग्राउंड में सभा का आयोजन किया गया।

अकबर की जयंती कहीं नहीं मनती, साफ है महाराणा जीते- भागवत: आरएसएस प्रमुख ने कहा कि आज हम महाराणा प्रताप की जयंती मनाते है, लेकिन अकबर की जयंती पूरी दुनिया में कोई नहीं मनाता। इससे साफ है कि लड़ाई महारणा प्रताप जीते थे।

महाराणा प्रताप अभी भी जीवित हैं- महाराणा प्रताप स्वाभिमानी, न्यायप्रिय और सभी को अपना मानने वाले थे। इसलिए उनका नेतृत्व सभी ने स्वीकार किया।

उनके साथ हर समाज के लोग थे। वहीं, भारत के दूसरे हिस्से इंतजार कर रहे थे। महारणा प्रताप अकेले ही खड़े रहे, लेकिन झुके नहीं। महारणा प्रताप अभी भी जीवित हैं। ये बातें हमारे मुंह से इसलिए निकलती हैं क्योंकि वो हमारे मन के भीतर छुपे हैं, थोड़ा प्रयास करके उनकी बातें अपनी जीवन में अपनानी चाहिए।

इतिहासकारों की आदत नैरेटिव बनाने की रहती है- भागवत... झांसी की रानी की मृत्यू के बाद और नाना साहब पेशवा के नेपाल जाने के बाद बाद बाबू कुंवर सिंह वापस जगदीशपुर गए। उन्होंने अंग्रेजों से अपना राज वापस ले लिया। करीब दस महीने तक जगदीशपुर स्वतंत्र रहा, लेकिन अंग्रेजों ने क्या लिखा कि हम पहुंचे तो बाबू सिंह भाग गए। हमारे 50 सैनिक मारे गए, लेकिन बाबू सिंह भाग गए। ऐसा इतिहासकारों ने नैरेटिव बनाया। ऐसा ही महाराणा प्रताप के समय हुआ होगा।

टेलीग्राम नीट-यूजी री-एग्जाम तक बैन के खिलाफ दिल्ली हाईकोर्ट पहुंची

› सीईओ बोले- पेपर लीक करने वालों की जगह भारत के 15 करोड़ यूजर्स को सजा मिली

नई दिल्ली,एजेंसी। मैसेजिंग प्लेटफॉर्म टेलीग्राम ने दिल्ली हाईकोर्ट में केंद्र सरकार के उस फैसले को चुनौती दी है, जिसके तहत नीट-यूजी री-एग्जाम से पहले एप पर अस्थायी रोक लगाई गई है। कोर्ट ने बुधवार को मामले की सुनवाई के लिए सहमति दे दी है। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने मंगलवार को सरकार की तरफ से टेलीग्राम पर बैन की जानकारी दी थी। यह रोक 22 जून 2026 तक लागू रहेगी। टेलीग्राम का मैसेज-एडिटिंग फीचर भी 30 जून तक बंद किया गया है। टेलीग्राम सीईओ ने सरकार के फैसले की आलोचना की है। उन्होंने कहा है कि इस फैसले से भारत के 15 करोड़ से ज्यादा टेलीग्राम यूजर्स को सजा मिली है, न कि उन लोगों को जिन्होंने पेपर लीक किया था। इस बैन से कुछ भी नहीं रुकेगा। लीक करने वाले दूसरे एप्स पर शिफ्ट हो जाएंगे।

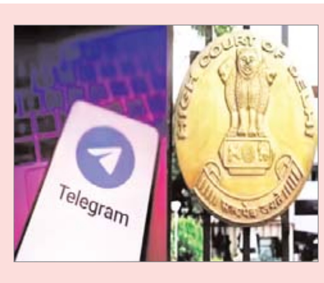

गूगल और एप्पल ने प्ले स्टोर से टेलीग्राम हटाया... देश में पहली बार किसी एप को पेपर लीक की आशंका के कारण बैन किया गया है। सरकार का कहना है कि कुछ लोग इस एप का इस्तेमाल पेपर लीक की अफवाह फैलाने और छात्रों से ठगी करने के लिए कर रहे थे। एनटीए के महानिदेशक अभिषेक सिंह ने कहा कि 'कोई विकल्प' नहीं बचा था। क्योंकि जालसाज इसका दुरुपयोग कर रहे थे। सरकार के आदेश पर गूगल और एप्पल ने प्ले स्टोर से भी टेलीग्राम एप हटा दिया है।

गुरुग्राम में जमकर गरजा बुलडोजर, गैलेरिया रोड पर 13 अवैध व्यावसायिक ढांचे

नया गुरुग्राम, एजेंसी। नया गुरुग्राम में टाउन एंड कंट्री प्लानिंग विभाग के जिला नगर योजनाकार एनफोर्समेंट (डीटीपीई) ने मंगलवार को गुरुग्राम में लाइसेंसी भूमि पर किए गए अवैध निर्माणों और अनधिकृत व्यावसायिक गतिविधियों के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई करते हुए 13 अवैध व्यावसायिक गतिविधियों को ध्वस्त कर दिया। यह अभियान डीटीपीई अमित मधोलिया के नेतृत्व में पुलिस बल की मौजूदगी में चलाया गया। विभाग के अनुसार, कार्रवाई डीएलएफ फेज 4 गैलेरिया रोड स्थित चक्करपुर क्षेत्र की उस लाइसेंसी भूमि पर की गई, जो खसरा नंबर 446/1/1 मीन, 466 मीन, 465 मीन और 461 मीन के अंतर्गत आती है। यहां लंबे समय से बिना अनुमति विभिन्न प्रकार की व्यावसायिक गतिविधियां संचालित की जा रही थीं। वहीं, तोड़फोड़ अभियान के दौरान जिन अवैध निर्माणों को हटाया गया उनमें केमिस्ट शॉप, टायर शॉप, पेंट शॉप, हार्डवेयर शॉप, कार

बैटरी शॉप, फ्लोरिस्ट शॉप, अनधिकृत कार्यालय, पेट शॉप, कैफे, स्टोर, आयरन एवं स्टील गोदाम और कबाड़ डीलर समेत अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठान शामिल थे। विभागीय अधिकारियों ने बताया कि उक्त भूमि के लिए वर्ष 2004 में लाइसेंस नंबर-85 के तहत एक कमर्शियल प्रोजेक्ट विकसित करने की टाउन एंड कंट्री प्लानिंग विभाग ने अनुमति दी गई थी।

हालांकि परियोजना के नक्शे कभी स्वीकृत नहीं हुए और लाइसेंस की वैधता वर्ष 2006 में ही समाप्त हो गई थी। इसके बावजूद भूमि पर बिना वैधानिक स्वीकृति के विभिन्न व्यावसायिक गतिविधियां संचालित की जा रही थीं, जो हरियाणा डेवलपमेंट एंड रेगुलेशन ऑफ अर्बन एरियाज एक्ट, 1975 के प्रावधानों का उल्लंघन है।

भूमि राजस्व बकाया की तरह वसूला जाएगा: विभाग ने इससे पहले संबंधित पक्षों को विस्तृत स्पीकिंग आर्डर जारी कर 15 दिनों के भीतर सभी अवैध निर्माण हटाने और भूमि को मूल स्थिति में बहाल करने के निर्देश दिए थे। साथ ही चेतावनी दी गई थी कि निर्धारित अवधि में कार्रवाई नहीं होने पर विभाग स्वयं अवैध निर्माण हटाएगा और पूरा खर्च संबंधित पक्षों से भूमि राजस्व बकाया की तरह वसूला जाएगा। अधिकारियों के अनुसार, मंगलवार की कार्रवाई माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा 14 मई को अवमानना याचिका (सिविल) राजदरबार आइकानिक वेंचर प्राइवेट लिमिटेड बनाम अनुराग रस्तोगी एवं अन्य मामले में पारित आदेशों की अनुपालना में की गई।

कार्रवाई करने के निर्देश

न्यायालय ने अपने आदेश में डीटीपीई गुरुग्राम को हरियाणा डेवलपमेंट एंड रेगुलेशन आफ अर्बन एरियाज एक्ट, 1975 की धारा 3-बी और धारा 10 के तहत कानून के अनुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे। कार्रवाई के दौरान ड्यूटी मजिस्ट्रेट एवं एटीपी नवीन बरुआ, एटीपी दिव्या दहिया, जूनियर इंजीनियर आकाश राव, राजन झा सहित विभाग की पूरी टीम मौके पर मौजूद रही। अभियान को सफल बनाने के लिए सेक्टर-29 थाना पुलिस का सहयोग भी लिया गया। यह कार्रवाई सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों के अनुरूप की गई है। निजी पक्षों के बीच चल रही मध्यस्थता प्रक्रिया से अवैध निर्माणों को वैधता नहीं मिल सकती और न ही वैधानिक कार्रवाई को रोका जा सकता है। उन्होंने कहा कि गुरुग्राम में लाइसेंसी भूमि पर होने वाले अवैध निर्माणों और अनधिकृत व्यावसायिक गतिविधियों के खिलाफ विभाग का अभियान भविष्य में भी जारी रहेगा।

कांकेर में 26 गांवों की संयुक्त सभा में निर्णय, चर्च और प्रार्थना सभा प्रतिबंधित

कांकेर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ में कांकेर जिले के पीढ़ापाल अनुसूचित क्षेत्र में मतांतरण के विरुद्ध 26 ग्राम सभाओं ने एकजुट होकर महत्वपूर्ण कदम उठाया है। 14 जून को ग्राम मुरागांव में आयोजित पारंपरिक संयुक्त ग्राम सभा में सर्वसम्मति से ईसाई चर्च, प्रार्थना सभा और पादरियों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव पारित किया गया। इसके साथ ही मतांतरित व्यक्तियों को अनुसूचित क्षेत्र में भूमि न देने और आरक्षण का लाभ ले रहे मतांतरितों की डी-लिस्टिंग का संकल्प भी लिया गया। कलेक्टर, एसडीएम और संबंधित विभागों को प्रस्ताव सौंपने की तैयारी है। यह संयुक्त ग्राम सभा कांकेर ब्लाक के पीढ़ापाल क्षेत्र में हुई, जिसमें ग्राम सभा अध्यक्ष, सरपंच, पंच, गायता, पटेल, ठाकुर, भूमियार, मांझी, सिरहा, भगत, पेनो पुजारी और सर्व समाज के प्रमुख शामिल हुए। अध्यक्षता ग्राम सभा अध्यक्ष मुरागांव ने की। ग्राम सभा में ईसाई चर्च और पादरियों के प्रवेश पर रोक, मतांतरित व्यक्तियों के जाति प्रमाण पत्र निरस्त करने और शासकीय कर्मचारियों के मतांतरण की सूचना प्रशासन को देने का निर्णय लिया गया। ग्राम सभा ने आरोप लगाया कि क्षेत्र में सेवा और स्वास्थ्य के नाम पर अवैध मतांतरण कराया जा रहा है, जिससे हमारी आस्था पर हमला हो रहा है। इससे समाज में हिंसक घटनाएं बढ़ रही हैं। जनप्रतिनिधियों ने जिला प्रशासन से मतांतरण पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है।

भीषण गर्मी से बेहाल बंगाल, 48 घंटे में बारिश के आसार

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल में भीषण गर्मी और उमस का दौर लगातार जारी है, मौसम विभाग के अनुसार बुधवार को राजधानी कोलकाता समेत दक्षिण बंगाल के अधिकांश हिस्सों में आसमान मुख्य रूप से साफ रहेगा और तेज धूप निकलने के कारण लोगों को गर्मी का अधिक सामना करना पड़ेगा। अधिकतम तापमान 35 से 37 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। हवा में नमी का स्तर अधिक होने के कारण वास्तविक तापमान से कहीं अधिक गर्मी महसूस हो रही है। अलीपुर स्थित मौसम विज्ञान केंद्र ने दोपहर के समय लोगों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी है। मौसम विभाग के अनुसार बंगाल की खाड़ी में बने नए मौसमी दबाव के कारण अगले दो से तीन दिनों के भीतर राज्य के मौसम में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। इसके प्रभाव से कई क्षेत्रों में तेज आंधी-तूफान और भारी बारिश की संभावना जताई गई है। कुछ इलाकों के लिए सतर्कता अलर्ट भी जारी किया गया है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि इस बदलाव के बाद तापमान में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की जाएगी और पिछले कई दिनों से जारी उमस भरी गर्मी से लोगों को राहत मिलेगी। उत्तर बंगाल और दक्षिण बंगाल के मौसम में फिलहाल अंतर देखा जा रहा है। उत्तर बंगाल के कूचबिहार सहित आसपास के क्षेत्रों में आंशिक बादल छाए हुए हैं। यहां आर्द्रता का स्तर 96 प्रतिशत तक पहुंच गया है, जिसके चलते शाम या रात के समय गरज-चमक के साथ हल्की बारिश की संभावना बनी हुई है। वहीं दक्षिण बंगाल के जिलों में दिनभर मौसम शुष्क और गर्म बना रहेगा। हालांकि स्थानीय स्तर पर गरज वाले बादल बनने से कुछ स्थानों पर हल्की वर्षा हो सकती है। वरिष्ठ मौसम विशेषज्ञों के अनुसार सप्ताह के अंत तक मॉनसून की सक्रियता और बंगाल की खाड़ी में बने दबाव का संयुक्त प्रभाव पूरे राज्य में दिखाई देगा। इसके चलते पश्चिम बंगाल के अधिकांश हिस्सों में व्यापक बारिश शुरू होने की संभावना है।

हिमाचल में 22 जून तक आंधी-बारिश का अलर्ट, तीन दिन ओलावृष्टि की चेतावनी

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश में मौसम का मिजाज अगले छह दिनों तक बदला-बदला रहने वाला है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला ने 22 जून तक प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में गरज-चमक, तेज हवाओं और बारिश की चेतावनी जारी की है। वहीं 17 से 19 जून तक कुछ स्थानों पर ओलावृष्टि की आशंका को देखते हुए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। इससे सेब, आड़ू, प्लम, खुबानी जैसे गुठलीदार फलों और मौसमी सब्जियों को नुकसान पहुंचने की आशंका बढ़ गई है। प्रदेश में पहले भी कई बार ओलावृष्टि से बागवानों को भारी नुकसान झेलना पड़ा है। बुधवार सुबह शिमला में मौसम मिला-जुला रहा। शहर के कुछ हिस्सों में बादल छाए रहे तो बीच-बीच में धूप भी निकलती रही। प्रदेश के अन्य इलाकों में भी कहीं बादल तो कहीं धूप का दौर देखने को मिला। मौसम विभाग के अनुसार आज अलग-अलग स्थानों पर 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं, गरज और बिजली गिरने की संभावना है। 18 व 19 जून को भी यही स्थिति बनी रहेगी और कुछ क्षेत्रों में ओलावृष्टि का ओरेंज अलर्ट जारी किया गया है 20, 21 और 22 जून को गरज-चमक और तेज हवाओं का येलो अलर्ट जारी रहेगा। 23 जून को मौसम अपेक्षाकृत शांत रहने का अनुमान है। बीते 24 घंटों के दौरान प्रदेश के कई हिस्सों में बारिश दर्ज की गई। सबसे अधिक 60.1 मिलीमीटर वर्षा कटौला में हुई। इसके अलावा मंडी में 37.2 मिमी, जोगिंद्रनगर में 16.0 मिमी, पंडोह में 15.8 मिमी, बग्गी में 12.0 मिमी, भुंतर में 8.6 मिमी, रामपुर में 3.3 मिमी, कुफरी में 3.0 मिमी, जौत और गोहर में 2-2 मिमी, सियोबाग में 1.8 मिमी तथा शिमला में 1.4 मिमी बारिश दर्ज की गई। शिमला, जुब्बड़हट्टी, कांगड़ा, भुंतर, सुंदरनगर और कुफरी में गरज-चमक की गतिविधियां भी रिकॉर्ड की गई। नेरी में 37 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चली। न्यूनतम तापमान की बात करें तो सबसे कम 6.8 डिग्री सेल्सियस कुकुमसेरी में दर्ज किया गया। इसके बाद कल्पा 10.0, केलांग 10.1, ताबो 10.9, मनाली 12.5, कुफरी 12.9, सियोबाग 14.5, शिमला 16.2, धर्मशाला 16.7, सोलन 17.6, भुंतर 17.8, सराहन 18.3, नाहन 18.3, पालमपुर 18.5, जुब्बड़हट्टी 18.6, सुंदरनगर 19.0, ऊना 19.0, चंबा 19.0, मंडी 19.5, बरठीं 20.2, कांगड़ा 21.6, बिलासपुर 22.0, नेरी 22.1, देहरा गोपीपुर 25.0 और पांवटा साहिब 26.0 डिग्री सेल्सियस रहा। मौसम विभाग का कहना है कि दक्षिण-पश्चिम मानसून की उत्तरी सीमा लगातार आगे बढ़ रही है। अनुकूल परिस्थितियां बनी रहीं तो मानसून 25 जून के आसपास हिमाचल प्रदेश में दस्तक दे सकता है।

ग्रेटर नोएडा वेस्ट के लाखों लोगों को मिलेगी जाम से राहत, दीपावली तक शुरू होगा चार मूर्ति अंडरपास

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। ग्रेटर नोएडा वेस्ट में निर्माणाधीन चार मूर्ति अंडरपास का विधायक तेजपाल नागर ने मंगलवार को निरीक्षण किया। विधायक ने अधिकारियों से कार्य की प्रगति की जायजा लेने के साथ इसे जल्द से जल्द पूरा करने के निर्देश दिया, ताकि वाहन चालकों को जाम से निजात मिल सके और ग्रेटर नोएडा वेस्ट में लोगों को समस्या से राहत मिल सके।

90 करोड़ की लागत से बन रहा अंडरपास: विधायक ने कहा कि लगभग 90 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाला अंडरपास ग्रेटर नोएडा वेस्ट के लाखों निवासियों के लिए बड़ी सौगात है। यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने में अंडरपास अहम भूमिका निभाएगा। इसे दीपावली तक जनता को समर्पित कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि ग्रेटर नोएडा वेस्ट के निवासियों को बेहतर आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना प्रदेश सरकार की प्राथमिकता है। अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि निर्माण कार्य में गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता नहीं होना चाहिए।

एसआइआर अभियान: ग्रामीण मतदाताओं में जागरूकता की कमी, फर्जी वोटों पर उठे सवाल

बल्लभगढ़, एजेंसी। एसआइआर को लेकर ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को जानकारी नहीं है। बीएलओ इस दौरान जो उनसे जानकारी और दस्तावेज मांगते हैं, उसके बारे में पूरी तरह से अनभिज्ञता जता रहे हैं। पूछते हैं यह क्या है एसआइआर। जब उन्हें बताया यदि यह फार्म नहीं भरे तो फिर वोट कट जाएगा। तब जाकर मतदाता जानकारी दे रहे हैं। जो 2003 के बाद कालोनी बसी हैं और उनमें तो दूसरे प्रदेशों के मतदाता रह रहे हैं वह भी अपनी वोट को लेकर चिंतित हैं। हालांकि फार्म आठ वोट को बदलवाने के लिए भरवा जा रहा है। पृथला विधानसभा क्षेत्र के मच्छगर गांव में बीएलओ गुरमुख ने बताया कि उनके पास एक हजार मतदाता और 150 मकान हैं। वह मतदाताओं के पास जब फार्म देने के लिए गए तो उन्होंने उनसे एसआइआर के लिए मतदाताओं से दो रंगीन फोटो देने के लिए कहा। वह

फोटो देते समय पूछने लगे कि इनका क्या करोगे। उन्हें बताया कि अब नए नियम के अनुसार मतदाता को दो नए फोटो देने हैं और अपनी पहचान का कोई दस्तावेज देना है। तब उन्होंने जानकारी दी। भूदत्त कालोनी में घर-घर जाकर फार्म बांट रहे बीएलओ संदीप दीक्षित ने बताया कि एसआइआर को लेकर मतदाताओं को अब अभियान की जानकारी मिलनी शुरू हो गई है। शहर के मतदाता फिर भी इसके प्रति गंभीर दिखाई दे रहे हैं। कुछ मतदाता अपनी ड्यूटी व अन्य काम-काज पर चले गए, लेकिन महिलाओं ने काफी जानकारी दे दी। मतदाताओं के रंगीन फोटो और दस्तावेज भी उपलब्ध हो रहे हैं। तिगांव विधानसभा क्षेत्र से विधानसभा चुनाव में रहे कांग्रेस प्रत्याशी रोहित नागर ने भाजपा पर एसआइआर को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। बूथ नंबर-80 संजय कालोनी-श्याम कालोनी, सेहतपुर की मतदाता सूची दिखाते हुए कहा कि वर्ष 2024 के विधानसभा चुनाव में एक ही महिला के नाम से लगभग 30 अलग-अलग स्थानों पर मतदाता का नाम पंजीकरण है। महिला का नाम आशा देवी, संतोष, सुनीता पाल, मीना रानी सहित कई अन्य नामों से अलग-अलग क्रमांकों पर दर्ज है। इसके अलावा एक अन्य महिला का नाम सात स्थानों पर तथा एक पुरुष का नाम चार स्थानों पर दर्ज है। तिगांव विधानसभा क्षेत्र में कुल 345 बूथ हैं। यदि पूरे क्षेत्र की निष्पक्ष जांच कराई जाए तो हजारों फर्जी वोट सामने आ सकते हैं। बीएलए एक और दो को भाजपा पर पूरी तरह से ध्यान रखने के लिए कहा है। तिगांव विधानसभा क्षेत्र के सहायक निर्वाचन अधिकारी एवं जिला पंचायत विकास अधिकारी परमिंद्र सिंह तिगांव में बीएलओ की ड्यूटी का औचक निरीक्षण करने के लिए पहुंचे। उन्होंने बीएलओ से एसआइआर का पूरी तरह निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से काम करने के लिए कहा है ताकि बाद में किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े।

ट्रंप पर हमले की एक और साजिश नाकाम: यूएफसी कार्यक्रम पर हमले की थी योजना, एफबीआई ने कई संदिग्धों को किया गिरफ्तार

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की संघीय जांच एजेंसी एफबीआई ने दावा किया है कि उसने व्हाइट हाउस में आयोजित एक बड़े अल्टीमेट फाइटिंग चैंपियनशिप (यूएफसी) कार्यक्रम पर संभावित हमले की साजिश को समय रहते नाकाम कर दिया। इस मामले में कई लोगों को गिरफ्तार किया गया है। यह यूएफसी कार्यक्रम पिछले रविवार को व्हाइट हाउस परिसर में आयोजित किया गया था, जिसमें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, उनके कैबिनेट सहयोगी और विशेष अतिथि शामिल हुए थे। कार्यक्रम को देखने के लिए व्हाइट हाउस के पास बड़ी संख्या में लोग भी जुटे थे।

एफबीआई को पहले ही मिल गई थी जानकारी: एफबीआई निदेशक काश पटेल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि 10 जून को एजेंसी और उसके सहयोगी कानून

प्रवर्तन संगठनों को इस कार्यक्रम पर संभावित खतरे की जानकारी मिली थी। उन्होंने कहा कि एफबीआई, न्याय विभाग और अन्य एजेंसियों ने कई राज्यों में संयुक्त अभियान चलाकर संदिग्धों को गिरफ्तार किया और कथित हमले की योजना को पूरी तरह विफल कर दिया।

ड्रोन और स्नाइपर हमले की थी कथित योजना: अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, साजिशकर्ताओं ने विस्फोटकों से लैस ड्रोन के जरिए कार्यक्रम स्थल के आसपास की इमारतों को निशाना बनाने की योजना बनाई थी। जांचकर्ताओं के मुताबिक, उद्देश्य पहले बड़े पैमाने पर अफरा-तफरी और लोगों की निकासी कराना था। इसके बाद भीड़ को एक तय दिशा में मोड़कर वहां पहले से तैनात स्नाइपर टीम द्वारा हमला करने की योजना थी। रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया कि इसके बाद एक दूसरी लहर के तहत कुछ लोग व्हाइट हाउस के मुख्य गेट की ओर बढ़ने वाले थे।

एफबीआई ने पांच लोगों हिरासत में लिया: अमेरिकी न्यूज चैनल के अनुसार, इस मामले में कम से कम पांच लोगों को हिरासत में लिया गया है, जबकि जांच में कुल 23 लोगों के नेटवर्क की पहचान की गई है।

ईरान से समझौते पर अपने ही खफा: क्या रूबियो और पीट हेगसेथ को ट्रंप पर भरोस नही जानिए किसे क्या परेशानी

वाशिंगटन, तेहरान, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच एक नया समझौता हुआ है। इस समझौते को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टीम में ही भारी विवाद शुरू हो गया है। सरकार के बड़े अधिकारी दो गुटों में बंट गए हैं। सीआईए के निदेशक जॉन रैटक्लिफ ने इस समझौते पर बड़ा शक जताया है। खुफिया रिपोर्टों के अनुसार, ईरान बाहर से कुछ और और अंदर से कुछ और खेल खेल रहा है। वह बातचीत में जो दावे कर रहा है, उसकी नीयत उससे बिल्कुल अलग है।

किन मंत्रियों को है ईरान पर शक: इस पूरे मामले में ट्रंप सरकार के दो सबसे शक्तिशाली मंत्री एक तरफ हो गए हैं। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो को ईरान पर बिल्कुल भरोसा नहीं है। उनके साथ देश के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने भी इस समझौते पर गंभीर सवाल उठाए हैं। इन दोनों बड़े नेताओं का मानना है कि ईरान अपनी बात से पलट सकता है।

यूक्रेन को हथियार आपूर्ति से यूएस-ईरान डील के स्वागत तक

एवियन, एजेंसी। दुनिया की विकसित अर्थव्यवस्था वाले देशों के समूह जी7 के नेताओं ने अमेरिका और ईरान के बीच हुए समजौते का समर्थन किया है। इन नेताओं ने यूक्रेन को लेकर भी अपना समर्थन दोहराया है। फ्रांस के एवियन-लेस-बैंस में हुए 52वें जी7 शिखर सम्मेलन में इन नेताओं ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र की सुरक्षा, ऊर्जा सुरक्षा और आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करने के लिए अधिक सहयोग करने की बात कही।

यूक्रेन के समर्थन में क्या कहा: भू-राजनीतिक मुद्दों पर जारी बयान में जी7 देशों ने यूक्रेन की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के लिए मजबूत समर्थन देने की बात दोहराई। इन देशों ने रूस के साथ जारी युद्ध के बीच कीव की सैन्य और ऊर्जा क्षमताओं को बढ़ाने का वादा किया। बयान में कहा गया, हम जी7 के नेता एकजुट हैं और यूक्रेन की स्वतंत्रता, संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के लिए उसका पूरा समर्थन करते हैं। नेताओं ने घोषणा की कि यूक्रेन को वायु रक्षा प्रणाली, इंटरसेप्टर और लंबी दूरी तक मार करने की क्षमताओं की आपूर्ति बढ़ाई जाएगी। साथ ही यह भी विचार किया जाएगा कि लाइसेंस देकर यूक्रेन में ही सैन्य उत्पादन को कैसे बढ़ाया जाए।

घोषणा में यह भी कहा गया कि सर्दियों से पहले यूक्रेन की ऊर्जा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए अतिरिक्त मदद दी जाएगी। रूस की अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ाने के लिए कड़े प्रतिबंध लगाए जाएंगे, जिनमें तेल और गैस क्षेत्र को भी शामिल किया जाएगा। यह बयान ऐसे समय आया है, जब यूक्रेन युद्ध को लेकर कूटनीतिक प्रयास जारी हैं। रूस के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने कहा कि अगर यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की जिम्मेदार और गंभीर बातचीत के लिए तैयार हों, तो वह मास्को आ सकते हैं। हालांकि, दोनों देशों के बीच संवाद का आधिकारिक माध्यम नहीं है।

जेलेंस्की ने बैठक के नतीजों पर क्या कहा: उधर, यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने जी7 की बैठक के नतीजों का स्वागत किया। उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा कि बातचीत में वायु रक्षा मिसाइलें, सर्दियों के लिए मदद और रूस पर दबाव बढ़ाने पर चर्चा हुई।

अमेरिका-ईरान के बीच समझौते का समर्थन किया: जी7 नेताओं ने पश्चिम एशिया से जुड़े मुद्दों पर भी ध्यान दिया और अमेरिका व ईरान के बीच हुए समझौते का स्वागत किया। बयान में कहा गया कि यह समझौता अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में हुआ है। यह ईरान को परमाणु हथियार बनाने से रोकने और उसके क्षेत्रीय तथा मिसाइल संबंधी मुद्दों को हल करने का मौका देता है। नेताओं ने इस समझौते को लागू करने में मदद की इच्छा जताई और अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) सहित अन्य पक्षों के साथ व्यापक कूटनीतिक बातचीत का समर्थन किया।

होर्मुज से बाधारहित आवाजाही की अपील: उन्होंने होर्मुज जलडमरूमध्य से बिना बाधा के आवाजाही का समर्थन किया और फ्रांस व ब्रिटेन के नेतृत्व में एक बहुराष्ट्रीय पहल का भी समर्थन किया, ताकि इस अहम समुद्री मार्ग में व्यापारिक जहाजों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

हिजबुल्ला और गाजा पर क्या कहा

जी7 ने लेबनान में तुरंत और स्थायी युद्धविराम का समर्थन किया और चरमपंथी संगठन हिजबुल्ला के निरस्त्रीकरण के प्रयासों को भी समर्थन दिया। गाजा को लेकर उन्होंने मानवीय सहायता और पुनर्निर्माण तेज करने की बात कही और वेस्ट बैंक में हिंसा खत्म करने की अपील की।

हिंद-प्रशांत क्षेत्र और उत्तर कोरिया के परमाणु कार्यक्रमों पर क्या कहा गया

हिंद-प्रशांत क्षेत्र पर जी7 ने कहा कि वे एक स्वतंत्र और खुला क्षेत्र चाहते हैं, जहां अंतरराष्ट्रीय कानून का पालन हो और पूर्वी व दक्षिण चीन सागर तथा ताइवान जलडमरूमध्य में ताकत के बल पर स्थिति बदलने की कोशिशों का विरोध किया जाए। बयान में उत्तर कोरिया के परमाणु और मिसाइल कार्यक्रमों पर गहरी चिंता जताई गई। उत्तर कोरिया के पूर्ण परमाणु निरस्त्रीकरण की मांग की गई।

लोक कल्याण मेले में पीएम स्वनिधि योजना और डिजिटल सशक्तिकरण पर जोर

पथ विक्रेताओं का पंजीयन, डिजिटल भुगतान की जानकारी और स्वयं सहायता समूहों के उत्पाद बने आकर्षण का केंद्र

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। नगर पालिका परिषद सीधी द्वारा मानस भवन में आयोजित लोक कल्याण मेले में प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना, डिजिटल वित्तीय साक्षरता और स्वरोजगार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया मेले में नगर क्षेत्र के बड़ी संख्या में हितग्राहियों ने भाग लेकर शासकीय जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त की तथा योजनाओं से जुड़ने में रुचि दिखाई कलेक्टर विकास मिश्रा के निर्देशानुसार आयोजित इस मेले का उद्देश्य आमजन को शासन की विभिन्न योजनाओं से जोड़ना, वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देना तथा डिजिटल माध्यमों के प्रति जागरूक करना था कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के अंतर्गत पात्र पथ विक्रेताओं से ऋण आवेदन प्राप्त कर उनका पंजीयन किया गया योजना के संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुए अधिकारियों ने बताया कि यह योजना छोटे व्यापारियों और फुटपाथ विक्रेताओं को स्वरोजगार के लिए आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। मेले में उपस्थित बैंक प्रतिनिधियों ने हितग्राहियों को डिजिटल भुगतान प्रणाली के सुरक्षित उपयोग के बारे में जानकारी दी उन्होंने यूपीआई, क्यूआर कोड, ऑनलाइन ट्रांजेक्शन तथा डिजिटल बैंकिंग सेवाओं के लाभों को विस्तार से समझाया साथ ही क्रेडिट कार्ड के जिम्मेदार उपयोग, वित्तीय अनुशासन और व्यक्तिगत वित्त प्रबंधन में उसकी उपयोगिता पर भी मार्गदर्शन प्रदान किया गया कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा लगाए गए उत्पाद स्टॉल रहे। महिलाओं ने अपने समूहों के माध्यम से तैयार किए गए विभिन्न घरेलू एवं हस्तनिर्मित उत्पादों का प्रदर्शन किया आगंतुकों ने इन उत्पादों की सराहना की और कई उत्पादों की खरीदारी भी की। इस पहल से महिलाओं को अपने उत्पादों के विपणन का अवसर मिला तथा आत्मनिर्भरता और महिला सशक्तिकरण को नई दिशा मिली कार्यक्रम के सफल संचालन में सिटी मिशन मैनेजर संदीप कुमार मिश्रा एवं मनोज चौबे, सामुदायिक संगठक दिलीप विश्वकर्मा एवं प्रमोद विश्वकर्मा, समस्त वार्ड प्रभारी तथा नगर पालिका परिषद के अधिकारियों और कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इस अवसर पर बताया गया कि 18 जून 2026 को प्रातः 11 बजे से मानस भवन सीधी में पुनः लोक कल्याण मेले का आयोजन किया जाएगा प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के अंतर्गत ऋण प्राप्त करने के इच्छुक पात्र हितग्राही सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक अपना पंजीयन एवं आवेदन प्रस्तुत कर सकेंगे नगर पालिका परिषद ने अधिक से अधिक पात्र हितग्राहियों से मेले में शामिल होकर योजनाओं का लाभ लेने की अपील की है।

रीवा पहुंचे अपेक्स बैंक के प्रशासक महेंद्र सिंह यादव

सहकारी बैंकिंग की समीक्षा, जनप्रतिनिधियों से संवाद और भाजपा कार्यालय में प्रदर्शनी का अवलोकन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मध्य प्रदेश राज्य सहकारी बैंक (अपेक्स बैंक) के प्रशासक महेंद्र सिंह यादव का रीवा आगमन सहकारिता क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है अपने प्रवास कार्यक्रम के तहत उन्होंने रीवा एवं शहडोल संभाग के साथ जिले की सहकारी बैंकिंग व्यवस्था की समीक्षा की तथा जनप्रतिनिधियों के साथ संवाद कर सहकारिता क्षेत्र को और अधिक सशक्त बनाने पर चर्चा की रीवा पहुंचने पर रेलवे स्टेशन पर भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं द्वारा उनका भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया गया इसके बाद वे भाजपा जिला कार्यालय अटल कुंज, ढेकहा पहुंचे जहां उन्होंने पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर संगठनात्मक विषयों पर चर्चा की समीक्षा बैठक के दौरान सहकारी बैंकिंग सेवाओं के विस्तार, किसानों एवं ग्रामीण हितग्राहियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा सहकारी संस्थाओं को मजबूत बनाने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया बैठक में ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग सुविधाओं की पहुंच बढ़ाने और सहकारी संस्थाओं की कार्यप्रणाली को अधिक पारदर्शी एवं जनोन्मुखी बनाने पर विशेष जोर दिया गया। इस अवसर पर सांसद जनार्दन मिश्रा भी उपस्थित रहे उन्होंने सहकारिता क्षेत्र के विकास में अपेक्स बैंक की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए प्रभावी योजनाओं के क्रियान्वयन पर बल दिया। भाजपा कार्यालय अटल कुंज में प्रवास के दौरान महेंद्र सिंह यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सेवा, सुशासन एवं जनकल्याण के 12 वर्षों की उपलब्धियों पर आधारित प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया प्रदर्शनी में केंद्र सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनहितकारी योजनाओं, विकास कार्यों और देश की प्रगति से संबंधित जानकारियों को प्रदर्शित किया गया था यादव ने प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए सरकार की उपलब्धियों की सराहना की और कहा कि जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना ही सुशासन का उद्देश्य है।

मझौली में राजन रिसोर्ट से हटाया गया अतिक्रमण

शासकीय भूमि से बाउंड्री वॉल तोड़कर प्रशासन ने कराया कब्जा मुक्त, अवैध कब्जाधारियों में मचा हड़कंप

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मझौली तहसील क्षेत्र के परसिली गांव में प्रशासन ने शासकीय भूमि पर किए गए अतिक्रमण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए राजन रिसोर्ट की बाउंड्री वॉल हटाकर सरकारी जमीन को कब्जा मुक्त कराया यह कार्रवाई तहसीलदार के नेतृत्व में राजस्व विभाग की टीम द्वारा बुधवार को की गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार परसिली स्थित राजन रिसोर्ट के संचालक रामराज मिश्रा पर शासकीय भूमि पर अवैध रूप से बाउंड्री वॉल बनाकर कब्जा करने का आरोप था मामले की शिकायत मिलने के बाद संबंधित हल्का पटवारी द्वारा स्थल निरीक्षण कर जांच प्रतिवेदन तहसील कार्यालय में प्रस्तुत किया गया जांच में शासकीय भूमि पर अतिक्रमण की पुष्टि होने के बाद नियमानुसार सुनवाई की गई। सुनवाई प्रक्रिया पूर्ण होने के पश्चात तहसीलदार द्वारा बेदखली का आदेश जारी किया गया आदेश के पालन में बुधवार को राजस्व विभाग का अमला मौके पर पहुंचा और प्रशासनिक निगरानी में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू की गई टीम ने शासकीय भूमि पर निर्मित बाउंड्री वॉल को तोड़ते हुए जमीन को कब्जा मुक्त कराया। कार्रवाई के दौरान राजस्व अधिकारियों और कर्मचारियों की मौजूदगी में पूरे क्षेत्र का सीमांकन भी किया गया ताकि भविष्य में दोबारा अतिक्रमण की स्थिति उत्पन्न न हो प्रशासन की इस सख्त कार्रवाई के बाद क्षेत्र में अन्य शासकीय भूमि पर किए गए कब्जों को लेकर भी चर्चाएं तेज हो गई हैं। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि परसिली क्षेत्र में कई अन्य रिसोर्ट एवं फार्म हाउस संचालकों द्वारा भी सरकारी भूमि पर अतिक्रमण किए जाने की शिकायतें लंबे समय से की जाती रही हैं ग्रामीणों ने प्रशासन से ऐसे सभी मामलों की निष्पक्ष जांच कर कार्रवाई करने की मांग की है मझौली तहसीलदार दिलीप सिंह ने बताया कि हल्का पटवारी के प्रतिवेदन और उपलब्ध अभिलेखों के आधार पर विधिसम्मत कार्रवाई की गई है उन्होंने स्पष्ट किया कि शासकीय भूमि पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा भविष्य में भी सरकारी जमीनों को अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए अभियान जारी रहेगा और दोषियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी प्रशासन की इस कार्रवाई को क्षेत्र में शासकीय संपत्तियों की सुरक्षा और संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

किसान-मजदूरों की समस्याओं को लेकर महासंघ की बैठक संपन्न

बिजली बिल, अघोषित कटौती और खाद्य वितरण व्यवस्था पर जताई चिंता, समस्याओं के समाधान की उठी मांग

मीडिया ऑडीटर, सिरमौर (निप्र)। राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ ब्लॉक इकाई सिरमौर की मासिक बैठक बुधवार को जिला संयोजक रामायण प्रसाद मिश्रा के निवास पर आयोजित की गई। बैठक में क्षेत्र के किसानों एवं मजदूरों से जुड़ी विभिन्न समस्याओं पर विस्तार से चर्चा करते हुए शासन-प्रशासन से शीघ्र समाधान की मांग की गई। कार्यक्रम में ब्लॉक अध्यक्ष बैजनाथ शुक्ला सहित संगठन के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक के दौरान वक्ताओं ने कहा कि क्षेत्र में किसानों और मजदूरों को अनेक मूलभूत समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। विशेष रूप से विद्युत विभाग की कार्यप्रणाली को लेकर असंतोष व्यक्त किया गया। पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि बिजली विभाग द्वारा मनमाने तरीके से बिजली बिल जारी किए जा रहे हैं जिससे किसानों और मजदूर वर्ग पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है कई उपभोक्ताओं को वास्तविक खपत से अधिक बिल मिलने की शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं महासंघ के प्रतिनिधियों ने क्षेत्र में लगातार हो रही अघोषित बिजली कटौती को भी गंभीर समस्या बताया। उनका कहना था कि बिजली की अनियमित आपूर्ति के कारण किसानों को सिंचाई कार्य प्रभावित होने से फसलों के नुकसान की आशंका बनी रहती है गर्मी के मौसम में ग्रामीण क्षेत्रों में लंबे समय तक बिजली गुल रहने से आमजन को भी भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बैठक में विद्युत विभाग की रखरखाव व्यवस्था पर भी सवाल उठाए गए। पदाधिकारियों ने कहा कि कई स्थानों पर टूटे हुए विद्युत तार लंबे समय तक खुले पड़े रहते हैं लेकिन उनकी समय पर मरम्मत नहीं कराई जाती विभागीय कर्मचारियों द्वारा पर्याप्त निगरानी और देखरेख न किए जाने के कारण दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है उन्होंने विभाग से नियमित निरीक्षण और त्वरित मरम्मत कार्य सुनिश्चित करने की मांग की इसके अलावा खाद्य वितरण व्यवस्था को लेकर भी चिंता व्यक्त की गई। महासंघ के पदाधिकारियों ने कहा कि किसानों को विभिन्न योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण में वाहन चालक भर्ती के लिए 24 जून को ड्राइविंग टेस्ट

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी द्वारा बहुउपयोगी वाहन के लिए संविदा आधार पर वाहन चालक के एक पद पर भर्ती प्रक्रिया शुरू की गई है इस संबंध में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के न्यायाधीश एवं सचिव ने जानकारी देते हुए बताया कि भर्ती राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली से प्राप्त अनुदान के अंतर्गत की जाएगी प्राधिकरण द्वारा जारी सूचना के अनुसार वाहन चालक के एक रिक्त पद के लिए पात्र अभ्यर्थियों का ड्राइविंग टेस्ट एवं साक्षात्कार 24 जून 2026 को आयोजित किया जाएगा चयन प्रक्रिया जिला न्यायालय परिसर स्थित ए.डी.आर. सेंटर में प्रातः 10 बजे से प्रारंभ होगी।

बैगा बस्ती में दूर हुई पेयजल समस्या कलेक्टर के निर्देश पर नलकूप खनन, 250 ग्रामीणों को मिला स्वच्छ पेयजल

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के दूरस्थ आदिवासी क्षेत्र में रहने वाले बैगा समुदाय के लोगों को लंबे समय से चली आ रही पेयजल समस्या से राहत मिल गई है कलेक्टर विकास मिश्रा के निर्देश पर लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग ने त्वरित कार्रवाई करते हुए विकासखंड कुसमी की ग्राम पंचायत पोंड़ी अंतर्गत ग्राम घटिया टोला स्थित बैगा बस्ती में नलकूप खनन कार्य संपन्न कराया नलकूप सफल होने के बाद बस्ती के सैकड़ों ग्रामीणों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध होने लगा है। जानकारी के अनुसार बैगा बस्ती के ग्रामीण लंबे समय से पेयजल संकट का सामना कर रहे थे गर्मी के मौसम में जलस्त्रोतों के सूखने और पर्याप्त पेयजल उपलब्ध न होने के कारण लोगों को काफी परेशानी उठानी पड़ रही थी समस्या की जानकारी जिला प्रशासन तक पहुंचने पर कलेक्टर विकास मिश्रा ने तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। कलेक्टर के निर्देशानुसार लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन यंत्री त्रयंबकेश कुमार द्विवेदी के मार्गदर्शन में 16 जून 2026 को बैगा बस्ती में नलकूप खनन का कार्य कराया गया विभागीय टीम द्वारा किए गए प्रयास सफल रहे और नलकूप से पर्याप्त मात्रा में पानी प्राप्त हुआ इसके बाद बस्ती में रहने वाले लगभग 70 परिवारों के करीब 250 ग्रामीणों को नियमित रूप से पेयजल मिलने लगा है। ग्रामीणों ने बताया कि पहले उन्हें पानी के लिए दूर-दूर तक जाना पड़ता था, जिससे समय और श्रम दोनों की हानि होती थी अब बस्ती में ही पानी उपलब्ध होने से उनकी दैनिक समस्याओं का समाधान हो गया है महिलाओं और बच्चों को विशेष रूप से राहत मिली है।,

चितरंगी में डिप्टी रेंजर का वीडियो वायरल

सार्वजनिक स्थान पर हंगामे का आरोप, डीएफओ ने दिए जांच के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। सिंगरौली जिले के चितरंगी क्षेत्र में पदस्थ एक डिप्टी रेंजर का कथित रूप से सार्वजनिक स्थान पर हंगामा करते हुए वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मामला चर्चा का विषय बन गया है वीडियो सामने आने के बाद स्थानीय लोगों ने डिप्टी रेंजर पर नशे की हालत में अभद्र व्यवहार करने का आरोप लगाया है वहीं वन विभाग के अधिकारियों ने मामले की जांच कराने की बात कही है। जानकारी के अनुसार घटना बुधवार दोपहर करीब 12 बजे चितरंगी के मुख्य चौराहे की बताई जा रही है वायरल वीडियो में डिप्टी रेंजर बीबी सिंह एक ठेले पर खड़े दिखाई दे रहे हैं प्रत्यक्षदर्शियों का दावा है कि उस दौरान वह आसपास मौजूद लोगों से बहस कर रहे थे और आपत्तिजनक भाषा का प्रयोग कर रहे थे स्थानीय लोगों का कहना है कि उनका व्यवहार सामान्य नहीं लग रहा था जिसके चलते मौके पर मौजूद लोगों का ध्यान उनकी ओर आकर्षित हुआ। घटना के दौरान चौराहे पर मौजूद किसी व्यक्ति ने पूरे घटनाक्रम का मोबाइल फोन से वीडियो बना लिया इसके बाद यह वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर तेजी से वायरल होने लगा वीडियो वायरल होने के साथ ही लोगों ने सरकारी अधिकारियों के आचरण और कार्यशैली को लेकर सवाल उठाने शुरू कर दिए हैं हालांकि अब तक प्रशासन या वन विभाग की ओर से वायरल वीडियो की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है परिस्थितियों और उसमें किए जा रहे दावों की सत्यता की जांच अभी शेष है इसलिए मामले को लेकर अंतिम निष्कर्ष जांच रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि कोई सरकारी अधिकारी सार्वजनिक स्थान पर अनुचित व्यवहार करता है तो इससे विभाग की छवि प्रभावित होती है लोगों ने मामले की निष्पक्ष जांच कर उचित कार्रवाई की मांग की है। इस संबंध में सिंगरौली वन मंडल के डीएफओ अखिल बंसल ने कहा कि उन्हें अभी तक मामले की औपचारिक जानकारी प्राप्त नहीं हुई थी वायरल वीडियो और लगाए गए आरोपों की जांच कराई जाएगी यदि जांच में आरोप सही पाए जाते हैं तो संबंधित अधिकारी के खिलाफ नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

टीआई पर हमले के छह आरोपी गिरफ्तार

न्यायालय ने भेजा जिला जेल, एक फरार आरोपी की तलाश में पुलिस की दबिश जारी

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। चुरहट थाना क्षेत्र में पुलिस टीम पर हुए हमले के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए छह आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। न्यायालयीन प्रक्रिया पूरी होने के बाद सभी आरोपियों को जिला जेल भेज दिया गया है वहीं मामले का एक आरोपी अभी भी फरार है जिसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार दबिश दे रही है पुलिस के अनुसार घटना 15 जून की है डायल-112 पर सूचना प्राप्त हुई थी कि ग्राम पटपरा के मझारी टोला में कुछ लोगों ने चुरहट-पटपरा मुख्य मार्ग पर मिट्टी, पत्थर, लकड़ी तथा कांटेदार झाड़ियां डालकर सड़क को अवरुद्ध कर दिया है सूचना मिलते ही थाना प्रभारी इंद्राज सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और मार्ग को सुचारु कराने के लिए लोगों को समझाने का प्रयास किया पुलिस का आरोप है कि समझाइश के दौरान कुछ लोगों ने आक्रामक रवैया अपनाते हुए शासकीय कार्य में बाधा डाली और पुलिस दल पर हमला कर दिया आरोपियों ने टांगी, फावड़ा, डंडों और अन्य हथियारों से पुलिसकर्मियों पर वार किए इस हमले में थाना प्रभारी इंद्राज सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए उनके सिर, गर्दन और शरीर के अन्य हिस्सों में चोटें आईं वहीं आरक्षक

शिवम पाण्डेय सहित अन्य पुलिसकर्मी भी घायल हुए। घटना की सूचना मिलते ही अतिरिक्त पुलिस बल और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे अधिकारियों ने स्थिति को नियंत्रित करते हुए घायलों को तत्काल उपचार के लिए जिला अस्पताल सीधी भेजा घटना के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी थी जांच और कार्रवाई के दौरान पुलिस ने दिनेश पटेल, विनय पटेल उर्फ पंडित, प्रीतम पटेल, संध्या पटेल, श्यामा पटेल तथा सरोज पटेल को गिरफ्तार कर लिया बुधवार को सभी आरोपियों को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

पॉक्सो अधिनियम के संवेदनशील क्रियान्वयन और बाल संरक्षण पर जिला स्तरीय कार्यशाला आयोजित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। बच्चों को लैंगिक अपराधों से संरक्षण प्रदान करने, उनके अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा पॉक्सो अधिनियम के प्रभावी एवं संवेदनशील क्रियान्वयन के उद्देश्य से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी द्वारा जिला स्तरीय स्टेकहोल्डर कार्यशाला का आयोजन किया गया। एडीआर भवन में आयोजित यह कार्यशाला मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी प्रयाग लाल दिनकर के मार्गदर्शन में जागृति योजना-2025 के अंतर्गत संपन्न हुई। कार्यशाला का मुख्य विषय पॉक्सो अधिनियम का संवेदनशील क्रियान्वयन, बाल संरक्षण एवं सुरक्षित बचपन-सुरक्षित भविष्य रहा। कार्यक्रम में न्यायपालिका, पुलिस विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, बाल कल्याण समिति, किशोर न्याय बोर्ड तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सहभागिता कर बच्चों की सुरक्षा से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए तृतीय जिला न्यायाधीश रवीन्द्र कुमार शर्मा एवं तृतीय अतिरिक्त जिला न्यायाधीश राकेश जामरा ने कहा कि पॉक्सो अधिनियम केवल एक कानूनी व्यवस्था नहीं, बल्कि बच्चों की सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित करने का महत्वपूर्ण माध्यम है उन्होंने कहा कि नाबालिग बालक-बालिकाओं को लैंगिक अपराधों से बचाना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है उन्होंने साइबर अपराधों से बच्चों को सुरक्षित रखने पीड़ित बच्चों को समय पर सहायता उपलब्ध कराने तथा विभिन्न विभागों के बीच समन्वित प्रयासों की आवश्यकता पर विशेष बल दिया। न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी अर्पिता त्रिपाठी ने अपने संबोधन में पॉक्सो मामलों में संवेदनशील दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता बताई उन्होंने कहा कि पीड़ित बच्चों के साथ व्यवहार करते समय उनकी भावनाओं और मानसिक स्थिति का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए बाल गवाहों के बयान दर्ज करते समय गोपनीयता बनाए रखना और उन्हें सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना अत्यंत आवश्यक है, ताकि वे दोबारा मानसिक आघात का शिकार न हों उन्होंने समाज से अपील की कि पीड़ित बच्चों के प्रति सहानुभूति और सम्मान का भाव रखें तथा उन्हें मुख्यधारा से जोड़ने में सहयोग करें कार्यशाला के दौरान बाल संरक्षण, किशोर न्याय प्रणाली, साइबर सुरक्षा, लैंगिक अपराधों की रोकथाम, पीड़ित बच्चों के पुनर्वास तथा विधिक सहायता जैसे विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई विशेषज्ञों ने बच्चों के हित में कार्यरत विभिन्न संस्थाओं और विभागों के बीच समन्वय को और मजबूत बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों एवं प्रतिभागियों ने बच्चों के सुरक्षित भविष्य के लिए संयुक्त रूप से कार्य करने का संकल्प लिया उन्होंने कहा कि 'सुरक्षित बचपन, सुरक्षित भविष्य' का लक्ष्य तभी साकार होगा जब समाज, प्रशासन और न्यायिक संस्थाएं मिलकर बच्चों की सुरक्षा और अधिकारों की रक्षा के लिए सतत प्रयास करें।

कार्यशाला में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मुकेश कुमार शिवहरे, जिला विधिक सहायता अधिकारी मनीष कौशिक, जिला कार्यक्रम अधिकारी प्रवेश कुमार मिश्रा, उप पुलिस अधीक्षक सुजीत कुमार कड़वे, बाल कल्याण समिति एवं किशोर न्याय बोर्ड के सदस्य, महिला सुरक्षा शाखा के अधिकारी, अधिवक्ता तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

चिट्टा को चुनौती:पंचायतें बन रही हैं बदलाव की वाहक

संपादकीय

हाल के दिनों में पंजाब के बाद, हिमाचल के लिए भी नशीले पदार्थों का तेजी से बढ़ता दुरुपयोग एक गंभीर सामाजिक चुनौती बन गया है। नशे के बढ़ते सेवन की जो समस्या कभी सीमावर्ती राज्यों व सिर्फ शहरी क्षेत्रों तक सीमित मानी जाती थी, अब दुर्भाग्य से वह इस पहाड़ी राज्य के गांवों तक पहुंच गई है। जिससे कई परिवारों का अस्तित्व, लोगों की आजीविका और युवा पीढ़ी का भविष्य भी खतरे में नजर आ रहा है। ऐसे हालात में राज्य सरकार का वह फैसला एक नई उम्मीद की किरण लेकर आया है, जिसमें नशीले पदार्थों से मुक्ति के अभियान 'चिट्टा-मुक्त गांव' में पंचायतों को शामिल करने का रणनीतिक निर्णय लिया गया है। सालों तक इस संकट को कानून व्यवस्था से जुड़ा प्रश्न माना जाता रहा है। नशीले पदार्थों की समस्या से निपटने के लिये सप्लायरों व नशे की आदत का शिकार लोगों की गिरफ्तारी, नशीले पदार्थों की बरामदगी और पुलिस की कार्रवाई को प्राथमिकता बना लिया गया था। निस्संदेह, कानून के अनुपालन के बिना इस संकट का समाधान संभव भी नहीं था, लेकिन सिर्फ इन प्रयासों से सफलता कम ही मिली। नशीले पदार्थ बेचने वालों की गिरफ्तारी के बाद सप्लाई चेन तेजी से बदल जाती है। नशे के कारोबारी स्थानीय तंत्र की कमजोरी का लाभ उठाते और नये लोग नशे की लत की चपेट में आ जाते थे। इस संकट के बने रहने ने संकेत दिए कि यह समस्या सिर्फ कानूनी नहीं है बल्कि इसे एक सामाजिक और सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुड़े संकट के रूप में भी देखा जाना चाहिए। निर्विवाद रूप से किसी ग्रामीण समाज में पंचायतों की एक महत्वपूर्ण भूमिका होती है। पंचायतें ग्रामीण परिवेश में स्थानीय हालात को बेहतर ढंग से समझती हैं। वहीं दूसरी ओर उन्हें स्थानीय समुदायों का विश्वास भी हासिल होता है। वे गांव के लोगों के व्यवहार संबंधी बदलावों को आसानी से से पहचान सकती हैं। ऐसे बदलाव जिन्हें दूर बैठे प्रशासन व पुलिस के अधिकारी नहीं समझ सकते। इस बात में दो राय नहीं हो सकती कि यदि पंचायतों को प्रभावी अधिकार और संसाधन उपलब्ध करा दिए जाएं तो वे जागरूकता अभियान को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर सकती हैं। साथ ही ग्रामीण परिवारों को समय रहते मदद लेने को प्रोत्साहित कर सकती हैं। इतना ही नहीं, वे इस जागरूकता अभियान का दायरा बढ़ाने और बेहतर परिणाम हासिल करने के लिये स्कूल तथा स्वास्थ्य कर्मियों के साथ सार्थक तालमेल स्थापित कर सकती हैं। साथ ही बिना किसी भेदभाव के, संवेदनशील ढंग से पुनर्वास के प्रयासों में मदद कर सकती हैं। वहीं दूसरी ओर गांव स्तर पर निगरानी समितियां बनाकर पंचायतें नशे की आपूर्ति श्रृंखला पर नजर रख सकती हैं। वे समय रहते कानून के क्रियान्वयन करने वाली एजेंसियों को भी सतर्क करने में मददगार साबित हो सकती हैं। इसके अलावा बेहतर परिणाम हासिल करने के लिये पंचायत प्रतिनिधियों को प्रशिक्षण, आर्थिक सहायता और काम को बेहतर ढंग से करने के लिये जरूरी दिशा-निर्देश भी दिये जा सकते हैं। यह भी हकीकत है कि पेशेवर अधिकारियों व कर्मचारियों की मदद के बिना गांवों की चुनी हुई संस्थाओं के द्वारा नशे की समस्या से पूरी तरह निपट पाना संभव नहीं है।

आईआईटी की दहलीज पर बेटियों की रिकॉर्ड दस्तक

प्रतिभा कुशवाहा

हाल ही में जेईई एडवांस्ड-2026 परीक्षा में लड़कियों की शानदार सफलता की जो खबरें आई हैं, उसने एसटीईएम (स्टेम) यानी विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित के क्षेत्र में महिलाओं के भविष्य की तस्वीर साफ होने लगी है। विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित के क्षेत्र में आधी आबादी के लिए यह एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। देश में इंजीनियरिंग यानी आईआईटी में शिक्षा एक पुरूष प्रधान क्षेत्र बना हुआ है। हमारे घरों में जो बच्चियों की शिक्षा को लेकर मुखर हैं, वे भी अपने बेटों को इंजीनियर और बेटियों को डाक्टर बनाना पहली प्राथमिकता में रखते हैं। फिर भी यह सफलता हमारे घरों की बदलती सोच और आर्थिक व्यवस्था के कुछ सुराग तो दे ही रहा है।

चार जून को प्रकाशित हुए अखबारों में प्रमुख रूप से इस खबर को प्रकाशित किया कि इस बार जेईई एडवांस्ड-2026 परीक्षा में पहली बार लगभग 10,000 लड़कियों ने पास की है। इस परीक्षा में कुल 56,880 अभ्यर्थी सफल हुए जिनमें से 10,107 सफल लड़कियां शामिल हैं। इन आकड़ों में लगभग चार अभ्यर्थियों में से एक अभ्यर्थी लड़की है। यह ऐतिहासिक सफलता केवल परीक्षा परिणामों का आंकड़ा मात्र नहीं है, वरन हमारे समाज में शिक्षा, अवसर और लैंगिक समानता के क्षेत्र में हो रहे सकारात्मक परिवर्तन का संकेत भी है। यह सफलता महिलाओं को विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित क्षेत्रों में एक 'पुश' के तौर पर देखा जा रहा है।

आज एआई, डेटा साइंस, रोबोटिक्स और नई तकनीकों ने पूरे समाज, संस्कृति और अर्थिकीय को अपने आगोश में ले रखा है, इससे आधी आबादी का दूर रहना एक बहुत बड़े सामाजिक असंतुलन के रूप में सामने आ सकता है। ऐसे में जेईई एडवांस्ड-2026 के परिणाम भविष्य में देश की नई तस्वीर का निर्माण कर सकते हैं। हालांकि अभी भी शीर्ष रैंकों और तकनीकी क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी को और बढ़ाने की आवश्यकता है। मात्र इस तरह की और भी सफलताओं से विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित नहीं की जा सकती है। महिलाओं के जीवन में इतने पड़ाव आते हैं कि विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित क्षेत्रों में पढ़ने-लिखने के बाद भी अपना योगदान देने से वे वंचित रह जाती हैं। आर्थिक तौर पर यह पढ़ाई महंगी होती है, देश इन क्षेत्रों में महिलाओं को आगे बढ़ाने के लिए कई तरह की आर्थिक सहायता भी देता है। अगर कार्यक्षेत्र तक महिलाएं आगे नहीं आ सकेगी, तो नुकसान हमारे समाज और देश का ही ज्यादा होगा।

जनवरी, 2026 को राज्यसभा में केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने एक प्रश्न के उत्तर में बताया था कि अखिल भारतीय उच्च शिक्षा सर्वेक्षण 2021-22 के अनुसार देश में उच्च शिक्षा स्तर स्टेम विषयों में महिलाओं की कुल हिस्सेदारी 43 फीसदी है। इसी तरह विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग की अनुसंधान और विकास सांख्यिकी रिपोर्ट-2023 के अनुसार देश में अनुसंधान और विकास गतिविधियों में स्टेम पेशेवरों के रूप में कुल महिला कार्यबल की हिस्सेदारी 18.6 फीसदी है। इनमें से 45.8 फीसदी सरकारी संस्थानों में, 27.6 फीसदी उच्च शिक्षा क्षेत्र में और 26.5 फीसदी औद्योगिक क्षेत्र में कार्यरत हैं। इन आंकड़ों से भी पता चल रहा है कि जितनी महिलाएं स्टेम विषयों को लेकर अपना करियर बनाने का पथ चुन रही हैं, उतनी महिलाओं कार्यक्षेत्र तक नहीं पहुंच पा रही हैं। यूनेस्को का अपनी रिपोर्ट में मानना है कि भारत में एसटीईएम ग्रेजुएट में महिलाओं की भागीदारी 43 फीसदी है, जबकि इन क्षेत्रों में उनकी नौकरियों में भागीदारी मात्र 14 फीसदी है। तो प्रश्न उठता है कि विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित पढ़ी हुई महिलाएं गुम कहां हो जाती हैं? क्या समाज और संस्कृति की गहरी जड़ें जमा चुकी परंपराएं और मान्यतागत भेदभाव कहीं न कहीं इन क्षेत्रों में महिलाओं के रोजगार में बाधा बन जाते हैं। पारंपरिक जेंडर भूमिकाएं इस क्षेत्र में करियर बना रही महिलाओं को बहुत हद तक हतोत्साहित करते हैं, क्योंकि यह क्षेत्र महिलाओं से अधिक समय और प्रतिबद्धता की मांग करता है। कई परिवार चाहते हैं कि उनकी बहु और बेटी इस क्षेत्र में पढ़े तो, पर रिसर्च की जगह वह टीचिंग जैसा स्थिर और स्मूथ करियर ऑप्शन चुनें।

छात्र शक्ति और बिहार आंदोलन का संदेश

आजादी के आंदोलन के बाद बिहार के छात्र आंदोलन को देश के इतिहास में सबसे प्रभावशाली माना गया। इस आंदोलन ने देश की सबसे ताकतवर नेता मानी जाने वाली यानी तब की प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को न केवल सत्ता से बेदखल किया बल्कि उनको अपनी खुद की सीट से पराजय का सामना करना पड़ा। यह अलग बाद है कि सत्ता पर काबिज नेताओं के आपसी कलह और स्वार्थ ने जनता पार्टी के प्रयोग को विफल कर दिया और इंदिरा गांधी सत्ता में वापस आ गई। उसके बाद असम विदेशी घुसपैठ विरोधी आंदोलन से लेकर 2011 के समाजसेवी अण्णा हजारे की अगुवाई में भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन समेत कई आंदोलनों की अगुवाई छात्र-युवाओं ने ही की। इन आंदोलनों की विफलता ने जन आंदोलनों के पक्षधर लोगों के विश्वास पर ही आघात कर दिया। इसका परिणाम हुआ कि अभी सोशल मीडिया के दम पर बनी कॉकरोच जनता पार्टी का आंदोलन शुरू होने से पहले ही समाप्त होने लगा। जबकि नीट पेपर लीक और सीबीएसई की परीक्षा प्रणाली जैसे मुद्दे देश के हर कोने में रहने वाले लाखों छात्र-छात्राओं से सीधा जुड़ा है।

मनोज कुमार मिश्र

खास बात यह है कि इसी उम्र के बच्चे, जिनके लिए जेन जेड (जनरेशन जेड) यानी 1997 से 2012 के बीच पैदा होने वाले छात्र-युवाओं ने पड़ोस के तीन देशों की सरकारें बदल दी। वैसे उन देशों में भी बदलाव बहुत सार्थक होता नहीं दिख रहा है। भारत जैसे विशाल देश में इस तरह के आंदोलन की कल्पना कठिन है लेकिन इतना तय है कि मजबूत विपक्ष की गैरहाजिरी में देश के छात्र-युवा को ही सार्थक विपक्ष की भूमिका निभानी होगी। अगर एक वाक्य में कहें तो यही 1974 के बिहार आंदोलन का संदेश है।

इतना ही नहीं, इस आंदोलन के कई संदेश आज भी सामयिक हैं। यह आम धारणा है कि नवंबर 1973 में गुजरात के एक इंजीनियरिंग कालेज के छात्रावास की फीस बढ़ने के खिलाफ छात्रों का आंदोलन शुरू हुआ जो गुजरात की चिमन भाई पटेल सरकार के भ्रष्टाचार, कुशासन और मंहगाई के खिलाफ स्वतः स्फूर्त प्रदेश भर का आंदोलन बन गया। जिसे गुजरात नव निर्माण आंदोलन कहा गया।

हालांकि बिहार आंदोलन का नेतृत्व करने वाले छात्र नेताओं के अगुवा रामबहादुर राय (वर्तमान में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र के अध्यक्ष और पद्मभूषण से सम्मानित) बताते हैं कि कहने के लिए बिहार आंदोलन गुजरात से प्रेरणा लेकर शुरू हुआ लेकिन वास्तव में बिहार आंदोलन की तैयारी लंबे समय से चल रही थी। लोकनायक जयप्रकाश नारायण (जेपी) ने काफी समय बाद आंदोलन का नेतृत्व करना स्वीकारा, वास्तव में उसके काफी समय पहले से उनसे (रामबहादुर राय) और दूसरे छात्र नेता मिलकर आंदोलन की तैयारी की जानकारी देते रहे। राय साहब आंदोलन की 11 सदस्यों की संचालन समिति के सदस्य भी थे। गुजरात आंदोलन में भी सबसे बड़ी भूमिका राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और उसके छात्र संगठन-अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की ही थी। बिहार आंदोलन की भूमिका बनाने में भी संघ के बड़े नेताओं के साथ-साथ तब संघ के पटना महानगर प्रचारक रहे केएन गोविंदाचार्य आदि का था। गोविंद जी बाद में परिषद और भाजपा में बड़े पदों पर रहे। उनकी और राय साहब की जोड़ी बिहार आंदोलन का नेतृत्व करने वालों में अगली पंक्ति में थी।

उस आंदोलन में छात्र-युवाओं के समर्पण का गजब अनुभव हुआ। सभी को पता है कि जेपी ने बिहार आंदोलन की अगुवाई करना तभी स्वीकारा जब उन्हें विश्वास दिलाया गया कि आंदोलन पूरी तरह से अहिंसक होगा। इसका ऐसा असर हुआ कि जो छात्र पहले पुलिस को देखते ही हाथों में ईंट-पत्थर उठा लेते थे। वही छात्र पुलिस की लाठी-गोलियों के बीच नारे लगाते थे कि 'हमला चाहे जैसा भी हो हाथ हमारा नहीं उठेगा।' इंदिरा गांधी ने आपातकाल लगाने का फैसला एक दिन में नहीं किया। 1971 में पाकिस्तान को विभाजित करके स्वतंत्र बांग्लादेश बनवाने में उनकी बड़ी भूमिका थी। इस सफलता के बाद उनका राजनीतिक कद देश में ही नहीं दुनिया में काफी बड़ा हो गया था। उनके फैसलों पर किसी को सवाल करने की हिम्मत न थी। आपातकाल लगने की मुख्य वजह तो उनके खिलाफ 12 जून, 1975 को इलाहाबाद हाई कोर्ट के न्यायाधीश जगमोहन लाल सिन्हा का उनके 1971 के लोकसभा चुनाव को अवैध घोषित करने का फैसला माना जाता है लेकिन वास्तव में कई और कारण भी थे। वे अपने को किसी चुनौती से परे मानने लगी थीं। दूसरा कारण कांग्रेस की गुजरात की चिमन भाई मेहता की सरकार के खिलाफ छात्रों का नव निर्माण आंदोलन भी एक प्रमुख कारण बना। उस आंदोलन को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने पूरे प्रदेश का आंदोलन बनाया। यही काम परिषद ने फरवरी-मार्च, 1974 में बिहार में किया।

26 जून, 1976 की तारीख को बार-बार याद करना इसलिए जरूरी है ताकि इस दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश पर शासन करने वाला निरंकुश न हो। फिर से कोई शासक अपने को तानाशाह न मान बैठे और गुलामी से मुक्ति की लंबी लड़ाई के बाद मिली आजादी को संविधान के मौलिक अधिकारों के साथ देश की जनता जीवन यापन कर पाए। तब के राष्ट्रपति फखरूद्दीन अली अहमद से 25 जून, 1975 की आधी रात को के देश में आपातकाल लगाने के आदेश पर हस्ताक्षर कराकर प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 26 जून, 1975 की सुबह खुद रेडियो पर आकर देश में आपातकाल लगाने की घोषणा की। इस घोषणा के साथ ही देश की जनता को संविधान से मिले नागरिक अधिकारों को रद्द कर दिया गया। जयप्रकाश नारायण से लेकर विपक्ष के सभी बड़े नेताओं को गिरफ्तार कर लिया गया। अखबारों पर सेंसरशिप लगा दिया गया। 19 महीने देश जेलखाना बना रहा। लोगों के बोलने, लिखने आदि पर रोक लगा दी गई। अनुशासन के नाम पर लोगों को तरह-तरह से यातनाएं दी गई। कानून की अपने हिसाब से व्याख्या करने की कोशिश की गई।

इससे पहले जिस दिन 12 जून, 1975 को इलाहाबाद हाई कोर्ट ने प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के चुनाव को अवैध घोषित किया था, उसी दिन गुजरात विधानसभा चुनाव के नतीजे आए। उस चुनाव में कांग्रेस पराजित हुई और विपक्षी गठबंधन की जनता मोर्चा चुनाव जीती। इंदिरा गांधी के करीबी सिद्धार्थ शंकर राय उनके चुनाव को अवैध घोषित किए जाने के खिलाफ नामी वकील नानी पालकीवाला के साथ मिलकर सुप्रीम कोर्ट के अवकाशकालीन पीठ में याचिका दायर की। पीठ के न्यायाधीश वीआर कृष्ण अय्यर ने 24 जून को इंदिरा गांधी की सदस्यता तो बहाल नहीं की लेकिन उन्हें प्रधानमंत्री बनाए रखने का आदेश दिया। दूसरी ओर इंदिरा गांधी पर कुर्सी छोड़ने के लिए दबाव बनाने को लेकर जनसंघ, लोकदल, सोशलिस्ट पार्टी और कांग्रेस (ओ) ने मिल कर मोर्चा बनाया। इस मोर्चा को जयप्रकाश नारायण का संरक्षण था। मोरारजी देसाई इस मोर्चा के अध्यक्ष और नानाजी देशमुख महासचिव बनाए गए। 20 जून को बने जनता मोर्चा ने 25 जून को रामलीला मैदान में रैली की। उस रैली को असफल करने की सरकार की हर कोशिश विफल रही। उसी रैली के समापन के साथ ही जयप्रकाश नारायण समेत अनेक बड़े नेताओं की गिरफ्तारी हुई। अगली सुबह खुद प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने देश में आपातकाल लगाने की विधिवत घोषणा की। आपातकाल घोषित होने से पहले बिहार छात्र आंदोलन ने बिहार की अब्दुल गफूर सरकार ही नहीं केन्द्र की इंदिरा गांधी सरकार की चूलें हिला दी थी। आंदोलनकारियों पर जितने अत्याचार हुए आंदोलन और मजबूत हुआ। पटना विश्वविद्यालय छात्रसंघ चुनाव विद्यार्थी परिषद और समाजवादी युवजन सभा साथ मिलकर जीते। 18 मार्च, 1974 को विधानसभा का घेराव करने जा रहे छात्रों पर गोली चली, जिसमें छह छात्र मारे गए और सैकड़ों घायल हुए। इस प्रदर्शन ने आंदोलन को घर-घर पहुंचा दिया। आंदोलन के प्रमुख छात्र नेता रामबहादुर राय को मीसा (मेंटिनेंस आफ इंटरनल सिक्योर्टी एक्ट) के तहत गिरफ्तार किया गया था। उस कानून को देश के चोटी के वकीलों ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। राय साहब की गिरफ्तारी के सात महीने बाद 12 नवंबर, 1974 को न्यायाधीश वाईवी चन्द्रचूड़ और पीएन भगवती की पीठ ने अवैध करार दिया। इसके चलते उनकी रिहाई हो पाई। इसका उल्लेख जयप्रकाश नारायण (जेपी) ने 18 नवंबर, 1974 के पटना के गांधी मैदान की रैली में किया। उसके पहले चार नवंबर, 1974 को पटना में हुए ऐतिहासिक मौन जुलूस में जेपी पर लाठी चली। जेपी को बचाने के लिए नानाजी ने लाठी का प्रहार अपने ऊपर ले लिया, जिसमें उनका हाथ टूट गया।

जनता पार्टी की सरकार बनी लेकिन कुछ बड़े नेताओं की महत्वाकांक्षा के चलते ढाई साल में जनता पार्टी और कांग्रेस के समर्थन से बनी चौधरी चरण सिंह की सरकार गिरी। फिर इंदिरा गांधी की सरकार बनी और उसके बाद सरकार बनने का लंबा ब्यौरा है। उसके बाद की कांग्रेस समेत किसी भी सरकार ने आपातकाल का समर्थन करने की बात कहना तो दूर उसकी लगातार आलोचना ही की। तब से हालात और राजनीति में काफी बदलाव हुआ है। आज कांग्रेस के बजाए भाजपा देश का मुख्य दल बन गया, जिसके नेताओं ने आपातकाल की पीड़ा झेली है। केन्द्र में भाजपा की अगुवाई वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार लगातार तीसरी बार बनी। आज की तारीख में देश के अस्सी फीसदी राज्यों में भी राजग की सरकार है। विपक्ष बेहद कमजोर है। विपक्षी दलों का गठबंधन आखिरी सांस ले रहा। 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद उसका आकार घटता ही जा रहा है। प्रधानमंत्री का दावेदार मानने वाले कई नेता अपने राज्यों की सत्ता से बाहर हो चुके हैं। यह भाजपा और राजग के लिए जितनी अच्छी बात है, लोकतंत्र के लिए उतनी अच्छी नहीं। केवल विरोध के लिए नहीं सार्थक विरोध के लिए विपक्ष का होना जरूरी है। यह काम देश के छात्र-युवाओं को करना होगा। ऐसा पहले हुआ है। 1974 का बिहार छात्र आंदोलन इसमें मार्गदर्शक की भूमिका निभा सकता है। उस आंदोलन को 52 साल बाद याद करना और उसके सकारात्मक पक्ष पर अमल करना आज भी जरूरी है। वह आंदोलन जेपी के संपूर्ण क्रांति का वाहक था लेकिन नेताओं के निजी स्वार्थ ने उसकी सफलता में ग्रहण लगा दिया था। देश के लोकतंत्र को और बेहतर बनाने के लिए बिहार छात्र आंदोलन और आपातकाल पर लगातार चर्चा करना इसलिए जरूरी है क्योंकि कोई भी दल या सरकार निरंकुश न हो जाए।

सार्वजनिक जीवन में विश्वास की पूंजी

विश्वास और भरोसा ही मनुष्य की सबसे बड़ी पूंजी है। सार्वजनिक जीवन में जन विश्वास गंवाने वाला व्यक्ति किसी योग्य नहीं रह जाता। हाल ही में भारतीय राजनीति में जन विश्वास से जुड़ी दो अहम घटनाएं हुई। पहली घटना में एक नेता ने जनविश्वास की पूंजी खो दिया। वहीं, दूसरी घटना में नेता ने जनविश्वास की पूंजी को सहेजा ही नहीं बल्कि हर बीतते दिन के साथ उसमें वृद्धि भी की।

डॉ. आशीष वशिष्ठ

पहली घटना 4 मई की है। इस दिन जन विश्वास खो चुकी तृणमूल कांग्रेस की अध्यक्ष एवं पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा। तृणमूल और ममता से नाराजगी का आलम यह था कि स्वयं ममता बनर्जी अपनी सीट हार गई। आज ममता बनर्जी और उनकी पार्टी की जो दुर्दशा हो रही है, उसकी जिम्मेदार कोई दूसरा नहीं बल्कि वह स्वयं हैं।

तृणमूल कांग्रेस के विधायक और सांसद अपना अलग गुट बना चुके हैं। स्वतंत्र भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में ऐसा कोई दूसरा उदाहरण मिलना मुश्किल है, जब किसी राजनीतिक दल का इतनी तेजी से विघटन हुआ हो। या किसी नेता की तथाकथित साख चुनाव हारने के चंद दिनों में ही औंधे मुंह गिरी हो। सत्ता गंवाने के बाद ममता बनर्जी को मंदिर जाने की याद आई। कालीबाड़ी दर्शन करने पहुंची ममता बनर्जी को लोगों ने पूरी तरह अनदेखा किया। डेढ़ दशक तक सूबे का मुख्यमंत्री रहने वाले नेता की जनता इस हद तक उपेक्षा करे तो यह सिर्फ चुनावी हार नहीं, जनविश्वास के टूटने का संकेत होता है।

तृणमूल कांग्रेस के कुशासन से आजिज जनता आज उसके नेताओं का अंडे, टमाटर, जूते और मार कुटाई से सत्कार कर रही है। तृणमूल के नेताओं को देखकर लोग नारेबाजी कर रहे हैं। कहा जा रहा है कि ये वो लोग हैं जो पिछले 15 वर्षों से तृणमूल नेताओं की तानाशाही, गुण्डागर्दी और अत्याचार चुपचाप सह रहे थे। तृणमूल नेताओं के प्रति जनता का व्यवहार उनके स्वाभाविक क्रोध, कुंठा, निराशा और हताशा का परिणाम है।

ममता सरकार के डेढ़ दशक के शासन के दौरान राजनीतिक दलों के नेताओं व कार्यकर्ताओं की हत्या व अपहरण, पोलिंग एजेंटों की पिटाई, बमबाजी, गोलीबारी, बूथों पर तोड़फोड़, वोटों की लूट, प्रत्याशियों व उनके परिवार के सदस्यों को धमकियां, ये सब बंगाल में आम बातें हो चुकीं थीं। भाजपा के दावों को मानें तो साल 2021 में विधानसभा चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद हुई हिंसा में टीएमसी समर्थकों ने 300 से अधिक भाजपा कार्यकर्ताओं की हत्या की थी। तत्कालीन राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने कानून व व्यवस्था के मुद्दे पर सरकार को कठघरे में खड़ा करते हुए कहा था कि राज्य में लोकतंत्र सांस नहीं ले पा रहा है। मुख्यमंत्री और प्रशासन मूकदर्शक बने हुए हैं।

दूसरी घटना 10 जून को हुई। इस दिन नरेन्द्र मोदी ने प्रधानमंत्री के रूप में 4,399 दिन पूरे किए, जो देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू के निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में पूरे किए गए 4,398 दिनों के कार्यकाल से ज्यादा है। इस तरह जनविश्वास, सुशासन और राष्ट्रहित के प्रति अटूट समर्पण का प्रतीक बनकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भारत के सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले निर्वाचित प्रधानमंत्री बन गए। यह सिर्फ रिकॉर्ड नहीं, 140 करोड़ भारतीयों के अटूट विश्वास की जीत है।

साल 2014 में देश ने उत्साह और अटूट विश्वास के साथ नरेन्द्र मोदी को अपना प्रधानमंत्री चुना था लेकिन उन्होंने स्वयं को हमेशा एक प्रधानसेवक माना। इसी रूप में वे अपना राष्ट्रधर्म निभाते हुए विकसित भारत के निर्माण में जुटे हैं। 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' के संकल्प के साथ उन्होंने समाज के हर वर्ग का विश्वास जीता है। उनके नेतृत्व में केंद्र सरकार की अनेक कल्याणकारी योजनाओं ने समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को अधिकार, सम्मान और आत्मनिर्भरता का एहसास कराया है। विपक्ष के लगातार मिथ्या प्रचार, व्यक्तिगत हमलों, यहां तक कि अपशब्दों के बावजूद प्रधानमंत्री मोदी अहर्निश जनसेवा में जुटे हैं। देश की जनता उन पर भरोसा करती है, जनता को विश्वास है मोदी के रहते उनका अहित नहीं होगा। इसलिए वो लगातार तीसरी बार उन्हें प्रधानमंत्री की कुर्सी सहर्ष सौंपी।

जब विश्वास टूटता है तो बड़े-से-बड़े नेता और व्यक्ति अर्श से फर्श पर आ जाता है। भारतीय राजनीति में इंदिरा गांधी का बड़ा कद था लेकिन अपनी सत्ता बचाने के लिए 1975 को इमरजेंसी लगाने के बाद जनता का विश्वास इंदिरा गांधी से टूट गया। 1977 के आम चुनाव में कांग्रेस को ऐतिहासिक हार का मुंह देखना पड़ा। इंदिरा का घमण्ड चूर-चूर हो गया और देश में आजादी के बाद पहली बार गैर कांग्रेसी सरकार का गठन हुआ।

उत्तर प्रदेश में बहुजन समाज पार्टी, समाजवादी पार्टी, उड़ीसा में बीजू जनता दल, दिल्ली में आम आदमी पार्टी तमाम ऐसे उदाहरण ऐसे हैं, जब जनता ने इन दलों पर विश्वास करके सत्ता के सिंहासन पर बैठाया। लेकिन जब ये नेता विश्वास और उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे तो जनता ने इन्हें इनको आसमान से जमीन पर पटकने में देरी नहीं की। तमिलनाडु में विश्वास ही तो खत्म हुआ, तभी तो वहां की जनता ने सत्तारूढ़ डीएमके को हटाकर अभिनेता चंद्रशेखरन जोसेफ विजय की नयी नवेली पार्टी टीवीके को सत्ता की कुंजी सौंप दी।

वहीं, कई ऐसे उदाहरण भी हैं, जहां विश्वास के चलते जनता ने बार-बार जीत का आशीष दिया। गुजरात में बीते 31 और मध्य प्रदेश 21 साल से भाजपा की सरकार है। इतने लंबे समय तक विश्वास और सेवा किये बिना कोई नेता या दल सत्ता या लोगों के दिलों में नहीं रह सकता। किसी जमाने में हरियाणा में भाजपा कोई बड़ी शक्ति नहीं थी। बामुश्किल उसके दो या तीन विधायक जीतते थे। लेकिन विश्वास और जनसेवा की बदौलत ही पिछले 12 वर्षों से हरियाणा में भाजपा की सरकार है।

उत्तर प्रदेश की राजनीति में मिथक था कि यहां कोई सरकार दोबारा रिपीट नहीं होती। साल 2017 में भाजपा को पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने का अवसर मिला। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने कृतित्व एवं व्यक्तित्व से सरकार और शासन के प्रति जनता के विश्वास को लगातार बढ़ाने का काम किया। नतीजा, उत्तर प्रदेश की राजनीति में 37 साल पुराना यह मिथक साल 2022 के विधानसभा चुनाव में टूट गया। योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में भाजपा ने प्रचंड बहुमत के साथ सत्ता में वापसी कर लगातार दूसरी बार सरकार बनाई। उत्तराखण्ड में भाजपा सरकार पिछले नौ साल से लगातार जनसेवा में जुटी है। जीवन की सबसे बड़ी पूंजी पद नहीं बल्कि विश्वास होता है। यह विश्वास किसी नेता, राजनीतिक दल या किसी व्यक्ति की सबसे बड़ी पूंजी है। यह विश्वास बना रहना चाहिए। जिस दिन यह विश्वास टूटता है, उस दिन नतीजे वैसे ही होते हैं, जैसे 4 मई को पश्चिम बंगाल में ईवीएम से निकले। हारने वाला कुंठा, निराशा और हताशा में भले इसे वोट की लूट बताता रहे लेकिन ये वोट की नहीं बल्कि दिल की लूट होती है। इसलिए व्यक्तिगत और सार्वजनिक जीवन में विश्वास को बनाए रखें।

जिला मुख्यालय से लेकर ग्राम पंचायत स्तर तक होंगे योग दिवस के आयोजन

कलेक्टर सुश्री संतन देवी जांगड़े ने अधिकारियों को दिए व्यापक तैयारियों के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। आगामी 21 जून को आयोजित होने वाले अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को जिले में व्यापक जनभागीदारी के साथ मनाने की तैयारियां तेज हो गई हैं इसी क्रम में कलेक्टर सुश्री संतन देवी जांगड़े की अध्यक्षता तथा जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी अंकिता सोम की उपस्थिति में जिला कार्यालय के सभाकक्ष में जिला स्तरीय अधिकारियों की महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई बैठक में योग दिवस के सफल आयोजन हेतु विभिन्न विभागों को आवश्यक जिम्मेदारियां सौंपते हुए समयबद्ध तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए कलेक्टर सुश्री जांगड़े ने कहा कि योग भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा की अमूल्य धरोहर है, जो आज पूरे विश्व को स्वस्थ और संतुलित जीवन का संदेश दे रही है। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस केवल एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि लोगों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करने का महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने निर्देश दिए कि जिला मुख्यालय के साथ-साथ सभी जनपद पंचायतों, नगरीय निकायों और ग्राम पंचायतों में भी योग दिवस का आयोजन किया जाए, ताकि समाज के प्रत्येक वर्ग की सहभागिता सुनिश्चित हो सके।

बैठक में कार्यक्रम स्थलों की तैयारियों, बैठक व्यवस्था, पेयजल, स्वास्थ्य सुविधा, स्वच्छता, सुरक्षा, प्रचार-प्रसार, प्रतिभागियों की सहभागिता तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की विस्तार से समीक्षा की गई। कलेक्टर ने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए आयोजन को सफल एवं यादगार बनाने के निर्देश दिए उन्होंने विद्यालयों, महाविद्यालयों स्वयंसेवी संस्थाओं सामाजिक संगठनों, जनप्रतिनिधियों तथा आम नागरिकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया। साथ ही जिले वासियों से अपील की कि वे अधिक से अधिक संख्या में योग दिवस कार्यक्रम में शामिल होकर स्वस्थ जीवन के इस महाअभियान का हिस्सा बनें। कलेक्टर ने प्रतिभागियों से योगाभ्यास के लिए आरामदायक परिधान जैसे टी-शर्ट, ट्रैक सूट अथवा लोवर पहनकर आने का आग्रह भी किया बैठक में अधिकारियों को यह भी अवगत कराया गया कि भारत सरकार के आयुष मंत्रालय नई दिल्ली के निर्देशानुसार अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में अधिकाधिक जन भागीदारी सुनिश्चित करने तथा गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड के प्रयास के तहत प्रतिभागियों का पंजीयन किया जा रहा है। इसके लिए सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से टोल फ्री नंबर 1800-315-7008 पर मिस्ड कॉल देकर योग सत्र का लिंक प्राप्त करने तथा योग सत्र में प्रतिभागी के रूप में पंजीयन कराने का आग्रह किया गया साथ ही अधिकारियों को अपने अधीनस्थ कर्मचारियों को भी इस अभियान से जोड़ने और अधिकाधिक पंजीयन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए बैठक में आयुक्त आदिवासी विकास विभाग अंकिता मरकाम, आयुष विभाग निशांत अग्रवाल, जिला शिक्षा अधिकारी रविकांत यादव, खेल अधिकारी विनोद जायसवाल, जनपद पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी वैशाली सिंह, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के आकाश पोद्दार समाज कल्याण विभाग की अंजना बेक डीपीएम शिशीर जायसवाल सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे। जलेभर में आयोजित होने वाले योग दिवस कार्यक्रमों में सामूहिक योगाभ्यास, प्राणायाम और ध्यान सत्र आयोजित किए जाएंगे। इन आयोजनों के माध्यम से नागरिकों को नियमित योग अपनाने, स्वस्थ जीवनशैली विकसित करने तथा शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने का संदेश दिया जाएगा।

पैनारी में अवैध खनन का खुलासा, जांच में पुष्टि के बाद वैधानिक कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में खनिज संसाधनों के संरक्षण तथा अवैध उत्खनन पर प्रभावी नियंत्रण के लिए जिला प्रशासन एवं खनिज विभाग लगातार सक्रिय निगरानी बनाए हुए हैं इसी क्रम में ग्राम पंचायत पैनारी क्षेत्र में अवैध खनन संबंधी प्रकाशित समाचार को गंभीरता से लेते हुए खनिज विभाग द्वारा त्वरित जांच कर मामले की पुष्टि की गई है जानकारी के अनुसार, 09 जून 2026 को नई दुनिया समाचार पत्र में प्रकाशित अवैध खनन संबंधी खबर के आधार पर खनिज विभाग की टीम ने 12 जून 2026 को संबंधित स्थल का औचक निरीक्षण एवं विस्तृत जांच की जांच के दौरान टीम ने मौके पर उपलब्ध तथ्यों, भौतिक साक्ष्यों तथा स्थल की स्थिति का परीक्षण किया। निरीक्षण में यह पाया गया कि ग्राम पंचायत पैनारी क्षेत्र में श्री मनोज शर्मा, निवासी पटेलपारा, देवाड़ड द्वारा मजदूरों के माध्यम से पत्थर बोल्डर का उत्खनन कराया जा रहा था जांच में प्राप्त तथ्यों के आधार पर विभाग ने मामले को प्रथम दृष्टया गंभीर मानते हुए आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है खनिज विभाग ने स्पष्ट किया है कि संबंधित प्रकरण में खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1957 के प्रावधानों के तहत कार्रवाई प्रस्तावित की गई है। प्रकरण का परीक्षण नियमानुसार किया जा रहा है तथा निर्धारित प्रक्रिया के अनुरूप आगे की कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी जिला खनिज विभाग के अधिकारियों ने बताया कि जिले में अवैध उत्खनन, परिवहन और खनिजों के अवैध भंडारण पर नियंत्रण के लिए नियमित रूप से निरीक्षण अभियान संचालित किए जा रहे है संवेदनशील क्षेत्रों की सतत निगरानी की जा रही है ताकि प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के साथ राजस्व हानि को भी रोका जा सके अधिकारियों ने कहा कि खनिज संपदा सार्वजनिक संपत्ति है और इसके अवैध दोहन को किसी भी परिस्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा अवैध खनन गतिविधियों में संलिप्त पाए जाने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन ने नागरिकों से भी अपील की है कि वे अवैध खनन संबंधी किसी भी गतिविधि की जानकारी तत्काल प्रशासन को दें, ताकि समय रहते प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर एमसीबी जिले में होगा भव्य आयोजन

भरतपुर-सोनहत विधायक रेणुका सिंह होंगी मुख्य अतिथि, "स्वस्थ आयु के लिए योग" का देंगी संदेश

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर 21 जून को जिला मुख्यालय मनेंद्रगढ़ में जिला स्तरीय भव्य योग कार्यक्रम आयोजन स्वामी आत्मानंद स्कूल मनेंद्रगढ़ में किया जाएगा। योग, स्वास्थ्य और जनभागीदारी के इस विशेष आयोजन में भरतपुर-सोनहत विधायक रेणुका सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगी वे सामूहिक योगाभ्यास में सहभागिता करते हुए उपस्थित नागरिकों को स्वस्थ एवं संतुलित जीवनशैली अपनाने का संदेश देंगी इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम 'स्वस्थ आयु के लिए योग' रखी गई है। इसी भावना के अनुरूप आयोजित कार्यक्रम में प्रशिक्षित योग प्रशिक्षकों द्वारा सामान्य योग प्रोटोकॉल के तहत योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान का अभ्यास कराया जाएगा कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को योग के प्रति जागरूक करना तथा उनके दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित करना है विधायक रेणुका सिंह ने जिलेवासियों को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि योग भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा और सांस्कृतिक विरासत का अमूल्य उपहार है जिसने आज पूरे विश्व में स्वास्थ्य शांति और संतुलित जीवन का मार्ग प्रशस्त किया है योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं बल्कि स्वस्थ तन शांत मन और सकारात्मक जीवन दृष्टि का आधार है वर्तमान समय में बदलती जीवनशैली तनाव और स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों के बीच योग एक प्रभावी समाधान के रूप में उभरा है। नियमित योगाभ्यास व्यक्ति की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के साथ-साथ मानसिक एकाग्रता, आत्मविश्वास और कार्यक्षमता में भी वृद्धि करता है योग को जीवन का हिस्सा बनाकर हम स्वस्थ परिवार सशक्त समाज और विकसित राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं जिला प्रशासन द्वारा कार्यक्रम की सभी आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित की जा रही हैं। आयोजन स्थल पर पेयजल, स्वास्थ्य सुविधा, स्वच्छता, सुरक्षा, बैठक व्यवस्था तथा अन्य मूलभूत व्यवस्थाएं उपलब्ध रहेंगी जिला प्रशासन ने जनप्रतिनिधियों अधिकारियों-कर्मचारियों विद्यार्थियों, सामाजिक संगठनों स्वयंसेवी संस्थाओं एवं आम नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर योग को जन-जन तक पहुंचाने के इस अभियान को सफल बनाने की अपील की है अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का यह आयोजन एमसीबी जिले में स्वास्थ्य जागरूकता सामुदायिक सहभागिता और सकारात्मक जीवनशैली को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण अवसर सिद्ध होगा तथा "स्वस्थ आयु के लिए योग" के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाएगा।

समय पर मिला खाद-बीज, किसान संजय यादव के सपनों को मिली नई उड़ान

सहकारी समिति बनी किसानों की ताकत, खेती हुई आसान और उत्पादन की बढ़ी उम्मीद

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। खेती केवल आजीविका का साधन नहीं, बल्कि लाखों किसानों के सपनों और मेहनत का आधार है जब किसानों को समय पर आवश्यक संसाधन उपलब्ध होते हैं तो उनकी मेहनत को नई दिशा और विश्वास मिलता है मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के जनकपुर क्षेत्र के किसान संजय कुमार यादव की कहानी इसी विश्वास और सकारात्मक बदलाव की मिसाल है ग्राम खिरकी निवासी संजय कुमार यादव इस खरीफ सीजन में लगभग 1.80 हेक्टेयर भूमि पर धान की खेती की तैयारी कर रहे हैं हर वर्ष की तरह इस बार भी उनकी सबसे बड़ी चिंता समय पर खाद और बीज की उपलब्धता को लेकर थी लेकिन शासन की किसान हितैषी पहल और सहकारी समिति की सक्रिय व्यवस्था ने उनकी यह चिंता दूर कर दी जनकपुर शाखा की आदिम जाति सेवा सहकारी समिति के माध्यम से संजय यादव को उन्नत किस्म के धान बीज, डीएपी, नैनो डीएपी तथा यूरिया समय पर और सहजता से उपलब्ध कराया गया कृषि आदानों की समय पर उपलब्धता ने उन्हें खेती की तैयारियां बिना किसी व्यवधान के शुरू करने का अवसर दिया। अब वे बेहतर उत्पादन और अच्छी आय की उम्मीद के साथ अपने खेतों में कार्य कर रहे हैं संजय कुमार यादव बताते हैं कि पहले खेती के मौसम में खाद और बीज की व्यवस्था के लिए कई जगहों पर जाना पड़ता था। इससे समय की बर्बादी होने के साथ अतिरिक्त आर्थिक बोझ भी बढ़ता था कई बार आवश्यक सामग्री समय पर नहीं मिलने से खेती का कार्य प्रभावित होता था लेकिन अब सहकारी समिति के माध्यम से एक ही स्थान पर सभी आवश्यक कृषि सामग्री उपलब्ध हो जाने से किसानों को बड़ी राहत मिली है वे कहते हैं कि समय पर खाद और बीज मिलना किसानों के लिए सबसे बड़ी आवश्यकता है। इससे खेती की लागत नियंत्रित रहती है, फसल की गुणवत्ता बेहतर होती है और उत्पादन बढ़ाने में मदद मिलती है।

संवेदनशील पुलिसिंग का सशक्त उदाहरण– प्रदेशभर में गुम एवं अपहृत बच्चों की त्वरित दस्तयाबी

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (निप्र)। मध्यप्रदेश पुलिस ने एक बार फिर अपनी संवेदनशील मानवीय और त्वरित कार्रवाई से यह सिद्ध किया है कि वह केवल कानून-व्यवस्था बनाए रखने तक सीमित नहीं बल्कि समाज के सबसे कमजोर वर्ग-बच्चों की सुरक्षा की भी सशक्त संरक्षक है प्रदेशभर में चलाए गए विशेष अभियान के तहत विगत दो दिनों में विभिन्न जिलों से गुम एवं अपहृत बच्चों को सकुशल दस्तयाब कर उनके परिजनों से मिलाया गया, जिससे अनेक परिवारों में खुशी और राहत का माहौल बन गया रीवा जिले में पुलिस ने छह नाबालिगों को सुरक्षित खोजकर परिजनों को सौंपा। वहीं खरगोन के सनावद क्षेत्र में 11 वर्षीय बालक को तकनीकी और स्थानीय सूचनाओं के आधार पर खेड़ी घाट से सकुशल बरामद किया गया। धार जिले के पीथमपुर क्षेत्र में घर से भटकी तीन बालिकाओं को पुलिस ने सघन तलाशी अभियान चलाकर सुरक्षित वापस लाया गुना जिले में मात्र छह घंटे के भीतर 14 वर्षीय बालक को दस्तयाब कर परिजनों से मिलाया गया भोपाल के शाहजहाँनाबाद क्षेत्र में लापता हुई 15 वर्षीय बालिका को रेलवे स्टेशन से सुरक्षित बरामद किया गया, जबकि मुरैना में सिविल लाइन पुलिस ने मात्र छह घंटे में गुम बालिका को खोज निकाला। देवास में 'ऑपरेशन मुस्कान' के तहत दो अपहृत बालिकाओं को सीहोर और धार जिलों से सकुशल दस्तयाब किया गया।

गुना के डायल-112 हीरोज–सड़क दुर्घटना में घायल महिला को त्वरित सहायता देकर अस्पताल पहुँचाया, समय पर उपचार से बची जान

मीडिया ऑडीटर, भोपाल, (निप्र)। मध्यप्रदेश पुलिस की डायल-112 सेवा ने एक बार फिर अपनी त्वरित प्रतिक्रिया और मानवीय संवेदनशीलता का परिचय देते हुए गुना जिले के थाना विजयपुर क्षेत्र में सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल महिला को समय पर अस्पताल पहुँचाकर जीवनरक्षक भूमिका निभाई 16 जून को राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम डायल-112, भोपाल को सूचना प्राप्त हुई कि लाहौरी ऑटो पार्क के पास एक मोटरसाइकिल दुर्घटनाग्रस्त हो गई है जिसमें एक महिला गंभीर रूप से घायल है और तत्काल सहायता की आवश्यकता है। सूचना मिलते ही विजयपुर थाना क्षेत्र में तैनात डायल-112 एफआरव्ही वाहन तुरंत घटनास्थल के लिए रवाना किया गया मौके पर पहुँचकर डायल-112 स्टाफ प्रधान आरक्षक धर्मेंद्र सिंह एवं पायलट राम लखन मीणा ने पाया कि ब्रेकर पर बाइक अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी जिससे महिला गंभीर रूप से घायल हो गई थी। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए दोनों जवानों ने बिना समय गंवाए प्राथमिक सहायता प्रदान की और घायल महिला को सुरक्षित एफआरव्ही वाहन में बैठाकर शासकीय चिकित्सालय, सांडा पहुँचाया डायल-112 टीम की तत्परता के कारण घायल महिला को समय पर चिकित्सकीय उपचार मिल सका, जिससे उसकी स्थिति को स्थिर करने में मदद मिली। स्थानीय लोगों ने भी पुलिस की इस संवेदनशील और त्वरित कार्रवाई की सराहना की यह घटना डायल-112 हीरोज श्रृंखला का एक महत्वपूर्ण उदाहरण है जो दर्शाती है कि मध्यप्रदेश पुलिस आपात स्थितियों में न केवल कानून-व्यवस्था बल्कि जनसुरक्षा और जीवन रक्षा के प्रति भी पूर्ण रूप से समर्पित है। डायल-112 सेवा प्रदेश में हर समय नागरिकों की सहायता के लिए तत्पर और सक्रिय भूमिका निभा रही है।

बुधनी व्यापारी से चेन लूट का खुलासा, चार आरोपी गिरफ्तार

शौक पूरे करने के लिए वारदात, 200 CCTV खंगालने के बाद पुलिस पहुंची आरोपियों तक

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम पुलिस ने बुधनी के एक व्यापारी से सोने की चेन लूटने वाले चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों ने 12 जून की रात परमश्री गार्डन के पास वारदात को अंजाम दिया था। पुलिस ने खुलासा करते हुए बताया कि आरोपी टिगरिया और खरखेड़ी गांव के रहने वाले हैं तथा इनमें दो सगे भाई और एक चचेरा भाई शामिल है। लूट में शामिल आरोपियों ने शौक पूरे करने के लिए वारदात को अंजाम दिया था बुधवार को एसडीओपी जितेंद्र पाठक ने मामले का खुलासा किया। गिरफ्तार आरोपियों में हरिओम गोस्वामी, ओमप्रकाश गोस्वामी, ऋतिक गोस्वामी और सुदीप गौर शामिल हैं। पुलिस ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है एसडीओपी जितेंद्र पाठक ने बताया कि 12 जून की रात करीब 1.15 बजे फरियादी नारायण सिंह उर्फ राहुल सिंह राजपूत अपने साथी शैलेन्द्र परिहार और उनकी पत्नी के साथ नर्मदापुरम रेलवे स्टेशन से बाइक पर बुधनी जा रहे थे। बुदनी रोड स्थित परमश्री गार्डन के पास एक कार उनका पीछा कर रही थी यश ढाबे के आगे कार सवार आरोपियों ने बाइक के सामने कार लगाकर उन्हें रोक लिया। इसके बाद आरोपियों ने शैलेन्द्र परिहार और उनकी पत्नी के साथ मारपीट शुरू कर दी जब नारायण सिंह बीच-बचाव करने पहुंचे तो आरोपियों ने उनके गले से करीब डेढ़ तोले की सोने की चेन लूट ली और कार से फरार हो गए पुलिस जांच में सामने आया कि वारदात के बाद आरोपी पहले बुधनी की ओर गए और फिर मीनाक्षी चौक मालाखेड़ी होते हुए फोरलेन की तरफ निकल गए। लूटी गई सोने की चेन को आरोपियों ने बेच दिया था और उससे मिले रुपए खर्च कर दिए थे आरोपियों तक पहुंचने के लिए पुलिस को पांच दिन तक लगातार मशक्कत करनी पड़ी।

वन मंडल व सतपुड़ा टाइगर रिजर्व में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल 5 रेंजर और 14 वनरक्षकों के तबादले, एसटीआर को मिले नए रेंजर

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम सामान्य वन मंडल और सतपुड़ा टाइगर रिजर्व (एसटीआर) में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया गया है इस तबादला सूची में कुल 5 रेंजरों के साथ-साथ 14 वनरक्षकों का स्थानांतरण किया गया है इसके साथ ही एसटीआर को चार नए रेंजर भी मिले हैं, जिससे वन प्रशासनिक व्यवस्था में महत्वपूर्ण बदलाव देखा जा रहा है तबादला आदेश के अनुसार सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के पचमढ़ी चूरना और बोरी रेंज सहित सामान्य वन मंडल के बानापुरा सुखतवा और सोहागपुर रेंज में पदस्थ रेंजरों का स्थानांतरण किया गया है एसटीआर में नए रेंजरों की पदस्थापना के तहत पेंच टाइगर रिजर्व से रेंजर बलवंत सिंह केशवाल, एम.एस. मरावी, भूपेश चौरसिया तथा कान्हा टाइगर रिजर्व मंडला से रेंजर अभय सिंह तोमर को सतपुड़ा टाइगर रिजर्व में पदस्थ किया गया है। वहीं एसटीआर से रेंजर उमेश मारू को रातापानी टाइगर रिजर्व भेजा गया है इसके अलावा विजय कुमार बारस्कर को सामान्य वन परिक्षेत्र रहटगांव (हरदा) तथा आर.पी. पाठक को रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व (सागर) स्थानांतरित किया गया है सामान्य वन मंडल सुखतवा के रेंजर नीरज शर्मा का तबादला रायसेन किया गया है, जबकि उनकी जगह छिंदवाड़ा से रेंजर सुनीता उइके को सुखतवा की जिम्मेदारी दी गई है बानापुरा रेंज में भी बदलाव करते हुए ज्ञान सिंह पवार का तबादला हरदा किया गया है, वहीं रायसेन बरखेड़ा रेंज के मयंक पांडे को बानापुरा रेंजर बनाया गया है सोहागपुर रेंजर सुमित पांडे को बनखेड़ी वन परिक्षेत्र भेजा गया है जबकि हरदा उत्पादन रेंज के हेमंत शर्मा को सोहागपुर रेंज की जिम्मेदारी सौंपी गई है इसी क्रम में जिले में एसटीआर और सामान्य वन मंडल के 14 वनरक्षकों के भी तबादले किए गए हैं इनमें कई विवाद और शिकायतों में घिरे वनरक्षक भी शामिल हैं वनरक्षक रामकिशोर राय का तबादला एसटीआर तवा बफर से बागड़ा बफर किया गया है बताया गया है कि डेढ़ वर्ष पूर्व अनुभूति कार्यक्रम के दौरान बागड़ा बफर में पदस्थ रहते हुए उन पर सागौन लकड़ी के अवैध परिवहन से जुड़े आरोप लगे थे जिसके बाद उन्हें निलंबित भी किया गया था। बाद में उन्हें तवा बफर रेंज में पदस्थ किया गया और अब पुनः स्थानांतरण कर मढ़ई रेंज सुआरिया खापा बीट में भेजा गया है वन विभाग के इस बड़े पैमाने पर हुए तबादलों को प्रशासनिक कसावट और कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

एक वर्ष बाद भी नहीं मिला सोनिया बंसल और शिवानी केवंट का सुराग

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले में लंबे समय से लापता दो महिलाओं की तलाश में पुलिस लगातार प्रयासरत है। एक वर्ष से अधिक समय बीत जाने के बावजूद दोनों महिलाओं का कोई पता नहीं चल पाने पर पुलिस ने आम नागरिकों से सहयोग की अपील करते हुए महत्वपूर्ण जानकारी साझा करने का अनुरोध किया है पुलिस अधीक्षक कार्यालय द्वारा जारी जिला इश्तहार के अनुसार थाना झगराखांड क्षेत्र से लापता 75 वर्षीय सोनिया बंसल का अब तक कोई सुराग नहीं मिल पाया है प्राप्त जानकारी के अनुसार वे 16 जून 2025 को खोंगापानी क्षेत्र में आंख की दवा लेने जाने की बात कहकर घर से निकली थीं, लेकिन उसके बाद वापस नहीं लौटीं परिजनों ने अपने स्तर पर काफी खोजबीन की, किन्तु उनका कोई पता नहीं चल सका। इसी प्रकार पाराडोल निवासी 19 वर्षीय कु. शिवानी केवंट 06 अक्टूबर 2025 को मनेंद्रगढ़ जाने के लिए घर से निकली थीं। निर्धारित समय पर घर नहीं लौटने पर परिजनों ने रिश्तेदारों तथा संभावित स्थानों पर तलाश की, लेकिन उनका भी कोई सुराग नहीं मिल पाया मामले में गुमशुदगी दर्ज कर पुलिस लगातार खोजबीन कर रही है पुलिस अधिकारियों ने बताया कि दोनों मामलों में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज होने के बाद विभिन्न स्तरों पर तलाश जारी है जिले के सभी थाना एवं चौकी प्रभारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं तथा उपलब्ध सभी माध्यमों से जानकारी एकत्र करने के प्रयास किए जा रहे हैं पुलिस का मानना है कि आम नागरिकों के सहयोग से इन मामलों में महत्वपूर्ण सफलता मिल सकती है।

नर्मदापुरम में 10 फीट के घायल सांप का ऑपरेशन आधे घंटे सर्जरी कर बचाई जान

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम के पशु चिकित्सालय में घायल सांप का ऑपरेशन कर उसकी जान बचाई गई। करीब आधे चले ऑपरेशन में सांप को 20 टांके आएं। मंगलवार को सांगाखेड़ा कला में 10 फीट का लंबा रेड स्नेक कंटीले तारों की फेंसिंग में फंसकर बुरी तरीके से घायल हो गया था। जिससे सांप के पेट, पीठ की चमड़ी फट गई थी। कंटीले तार उसके शरीर में गल गए थे। अधिक खून निकलने के कारण सांप तड़प रहा था, ग्रामीणों ने सांप को बचाने के लिए सर्प मित्र सागर यादव को फोन किया। सर्प मित्र की टीम ने सांप को तारों से बाहर निकाल। इसकी बात उसे लेकर पशु चिकित्सालय पहुंचे। वरिष्ठ सर्जन डॉक्टर अरविंद गुप्ता ने सांप का उपचार किया। दर्द के कारण सांप आक्रामक हो गया था। चिकित्सा गुप्ता ने सांप के शरीर में जिस जगह की स्किन फटी हुई थी, उसे जगह पर एनेस्थीसिया का इंजेक्शन देकर शून्य कर दिया था। इसके बाद टीम की मदद से मशक्कत के बाद सांप को 20 टांके लगाकर फटी चमड़ी को बंद किया गया। दर्द कम करने के दो एंटीबायोटिक के इंजेक्शन लगाए गए। घायल सांप को सिर्फ मित्र को सौंप दिया गया।

दो दिन बाद स्वास्थ्य परीक्षण होगा: पशु चिकित्सक के वरिष्ठ सर्जन डॉ. अरविंद गुप्ता ने बताया सांप के शरीर की चमड़ी और मशल्लस फट गई थी, टांके लगाकर उसे बंद किया गया। 2 दिन के बाद उसका स्वास्थ्य परीक्षण किया जाएगा।

सीहोर में ट्रैक्टर चलाने के विवाद में युवक घायल दबंगों ने लाठी-डंडों से पीटा, पैर में आया फ्रैक्चर

मीडिया ऑडीटर,सीहोर (निप्र)। सीहोर जिले में ट्रैक्टर चलाने की बात को लेकर हुए विवाद में एक युवक के साथ बेरहमी से मारपीट का मामला सामने आया है। आरोपियों ने लाठी-डंडों से युवक पर हमला कर दिया, जिससे उसके पैर में फ्रैक्चर हो गया है। घायल अवस्था में पीड़ित को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पीड़ित युवक के अनुसार, विवाद की शुरुआत ट्रैक्टर चलाने को लेकर हुई थी। इसी बात पर विजय सिंह ने अपने पिता और बेटों के साथ मिलकर उसके साथ हाथापाई शुरू कर दी। देखते ही देखते आरोपियों ने लाठी-डंडों से उसे बुरी तरह पीटा और वारदात को अंजाम देने के बाद मौके से फरार हो गए।

पुलिस ने दर्ज किए बयान, मामले की जांच शुरू: हमले में घायल युवक का अस्पताल में इलाज चल रहा है। लाठी-डंडों की इस मारपीट के कारण उसके पैर में गंभीर चोटें आई हैं और फ्रैक्चर होने की वजह से पट्टियां बांधी गई हैं। अस्पताल में पुलिस ने पीड़ित के बयान दर्ज कर लिए हैं, जिसमें उसने विजय सिंह और उसके बेटों पर मारपीट का स्पष्ट आरोप लगाया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और आरोपियों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

नशामुक्त भारत अभियान के तहत जिला स्तरीय मास्टर वालंटियर्स प्रशिक्षण संपन्न

मीडिया ऑडीटर,खण्डवा (निप्र)। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांग सशक्तिकरण विभाग और वाल्मी संस्था द्वारा संचालित 'नशामुक्त भारत अभियान' के अंतर्गत जिला स्तरीय मास्टर वालंटियर्स प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन जनपद पंचायत सभाकक्ष, खंडवा में किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में नशामुक्ति के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना तथा प्रशिक्षित वालंटियर्स के माध्यम से लोगों तक नशामुक्त भारत का प्रभावी संदेश पहुंचाना था। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित भोपाल के राज्य स्तरीय प्रशिक्षक डॉ मनोज अग्रवाल ने कहा कि अधिकांश युवा गलत संगत के कारण नशे की गिरफ्त में आते हैं और अक्सर नशे की शुरुआत किसी मित्र के माध्यम से ही होती है। इसलिए किशोर एवं युवावस्था में विशेष सतर्कता और मार्गदर्शन की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि यदि कोई व्यक्ति नशे की गिरफ्त में हे तो हमारा यह कर्तव्य हे कि उसे हम नशे से बाहर निकाले । नशा केवल व्यक्ति को ही नहीं, बल्कि उसके पूरे परिवार को प्रभावित करता है। ऐसे परिवारों को बचाने के लिए समाज में निरंतर जागरूकता अभियान चलाने की आवश्यकता है, जिसमें मास्टर वालंटियर्स की महत्वपूर्ण भूमिका है। प्रशिक्षण के प्रथम सत्र में प्रजापिता ईश्वरीय ब्रम्हाकुमारीज विश्व विद्यालय शाखा खंडवा की बी के शक्ति दीदी के नेतृत्व में नशा मुक्ति संबंधित नुक्कड़ नाटक का आयोजन सुशीला दीदी, सुनील तीर्थंक एवं अन्य के द्वारा किया गया। सहायक संचालक सामाजिक न्याय श्री नीरज पाराशर ने नशे के विभिन्न प्रकारों तथा उनके शरीर एवं मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों की विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सामाजिक सुरक्षा अधिकारी प्रेमप्रित कौर ने बताया कि यदि आपके आसपास कहीं नशीले पदार्थों का अवैध कारोबार संचालित हो रहा हो, तो उसकी सूचना 1933 टोल फ्री हेल्पलाइन अथवा 'मानस' पोर्टल के माध्यम से दी जा सकती है। इस अवसर पर जन अभियान परिषद के अधिकारी, कर्मचारी, महिला बाल विकास विभाग से आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, नगरपालिका के कर्मचारीगण, ग्राम पंचायत सचिव, ग्राम रोजगार सहायक, कॉलेज के एन.सी.सी. एवं एन.एस.एस. छात्र-छात्राऐं, स्वास्थ विभाग के कर्मचारी गायत्री परिवार प्रजापति ब्रह्मकुमारी के सदस्य आदि उपस्थित रहे जिन्होंने नशा को दूर करने के लिए अपना पूरा योगदान देने के लिए शपथ ग्रहण की। अंत में सभी वालंटियर्स को प्रमाण-पत्र वितरित किए गए।

गर्लफ्रेंड के लिए हाईटेंशन लाइन के पोल पर चढ़ा युवक शादी करने की मांग पर अड़ा पांच घंटे की समझाइश के बाद उतरा

मीडिया ऑडीटर,रायसेन (निप्र)। रायसेन जिले के बेगमगंज थाना क्षेत्र में बुधवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब एक युवक अपनी प्रेमिका से शादी कराने की मांग को लेकर 11 केवी हाईटेंशन लाइन के करीब 100 फीट ऊंचे बिजली के टावर पर चढ़ गया। युवक के इस कदम से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और घंटों तक हाई वोल्टेज ड्रामा चलता रहा। पुलिस, परिजन और ग्रामीण युवक को सुरक्षित नीचे उतारने के प्रयास में जुटे रहे। आखिरकार करीब पांच घंटे की मशक्कत और समझाइश के बाद युवक टावर से नीचे उतर आया।

सुबह-सुबह टावर पर चढ़ गया युवक: जानकारी के अनुसार छोटू आदिवासी निवासी ग्राम कल्याणपुर, तहसील बेगमगंज बुधवार सुबह करीब 5 से 6 बजे के बीच गांव के पास स्थित 11

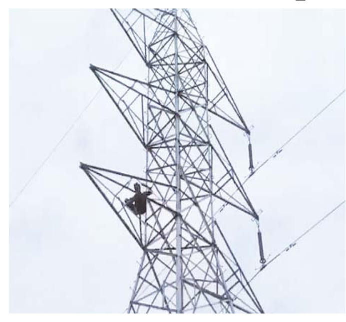

केवी हाईटेंशन लाइन के करीब बने बिजली के टावर पर चढ़ गया। जब ग्रामीणों ने उसे टावर पर देखा तो क्षेत्र में हड़कंप मच गया। लोगों ने उसे नीचे उतरने के लिए आवाज लगाई, लेकिन उसने किसी की बात नहीं मानी।

प्रेमिका से शादी कराने की रखी मांग: युवक का कहना था कि वह जिस युवती से प्रेम करता है, उससे शादी करना चाहता है। उसका आरोप था कि दोनों एक-दूसरे को पसंद करते हैं और विवाह के लिए तैयार हैं, लेकिन युवती के परिजन इस रिश्ते के लिए राजी नहीं हैं। इसी बात से नाराज होकर उसने यह कदम उठाया।

युवती के पिता पर लगाया विरोध का आरोप: बताया जा रहा है कि युवती सागर जिले के खुरई क्षेत्र की रहने वाली है। युवक का आरोप है कि युवती के पिता लगातार इस शादी का विरोध कर रहे हैं। इसी वजह से वह मानसिक रूप से परेशान था और विरोध जताने के लिए टावर पर चढ़ गया।

टावर के ऊपर से दोहराता रहा मांग: टावर पर चढ़ने के बाद युवक लगातार अपनी मांग दोहराता रहा। उसने कहा कि जब तक उसकी प्रेमिका और उसके पिता को मौके पर नहीं बुलाया जाएगा, तब तक वह नीचे नहीं उतरेगा। वह अपनी बात पर अड़ा रहा और घंटों तक टावर पर बैठा रहा।

सूचना मिलते ही पहुंची पुलिस: घटना की जानकारी मिलते ही बेगमगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई।

परिजन और ग्रामीण भी मनाने में जुटे

युवक के परिजन भी मौके पर पहुंच गए। परिवार के सदस्यों और ग्रामीणों ने उसे नीचे उतरने के लिए समझाया। सभी लोग उसे किसी भी तरह सुरक्षित नीचे लाने का प्रयास करते रहे, लेकिन वह अपनी मांग पूरी होने तक नीचे उतरने को तैयार नहीं था।

हाईटेंशन लाइन के कारण बनी रही चिंता

जिस टावर पर युवक चढ़ा था, उसके आसपास हाईटेंशन बिजली लाइन गुजर रही थी। ऐसे में स्थिति बेहद संवेदनशील बनी रही। किसी भी छोटी सी चूक से बड़ा हादसा हो सकता था। यही कारण रहा कि पुलिस और प्रशासन पूरी सावधानी के साथ कार्रवाई कर रहे थे।

मौके पर जुट गई लोगों की भीड़

सुबह से शुरू हुए इस घटनाक्रम की खबर आसपास के गांवों में भी फैल गई। इसके बाद बड़ी संख्या में लोग मौके पर पहुंचने लगे। ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई और हर कोई युवक को सुरक्षित नीचे उतरने के लिए समझाने में लगा रहा। पांच घंटे चली समझाइश पुलिस, परिजन और ग्रामीण लगातार करीब पांच घंटे तक युवक को समझाते रहे। इस दौरान पुलिस अधिकारियों ने युवक से कई बार बातचीत की और उसे भरोसा दिलाने का प्रयास किया कि उसकी बात को गंभीरता से सुना जाएगा।

विदिशा खंड में जनकल्याण शिविर का शुभारंभ एक ही स्थान पर मिल रही योजनाओं की जानकारी और सेवाएं

मीडिया ऑडीटर, विदिशा (निप्र)। शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से वंचित पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित करने तथा आमजन की समस्याओं के त्वरित निराकरण के उद्देश्य से 16 से 18 जून तक रविंद्रनाथ टैगोर संस्कृतिक भवन आडिटोरिय में तीन दिवसीय जनकल्याण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर में बड़ी संख्या में नागरिक पहुंचकर विभिन्न शासकीय योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर रहे हैं तथा अपनी समस्याओं के समाधान के लिए आवेदन प्रस्तुत कर रहे हैं। जनकल्याण शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाए गए हैं, जहां नागरिकों को शासन की योजनाओं से संबंधित जानकारी, आवेदन प्रक्रिया, पंजीयन तथा सेवा वितरण की सुविधा एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जा रही है। इससे लोगों को अलग-अलग कार्यालयों के चक्कर लगाने की आवश्यकता नहीं पड़ रही है और समय की भी बचत हो रही है।

शिविर का मुख्य उद्देश्य ऐसे पात्र व्यक्तियों तक शासकीय योजनाओं का लाभ पहुंचाना है, जो अब तक किसी कारणवश योजनाओं से वंचित रहे हैं। इसके साथ ही नागरिकों की शिकायतों, लंबित प्रकरणों एवं विभिन्न विभागों से संबंधित समस्याओं के त्वरित निराकरण पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी मौके पर उपस्थित रहकर आवेदनों का परीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई कर रहे हैं। प्रशासन द्वारा जनकल्याण शिविरों के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए विशेष अभियान चलाया गया है, जिससे अधिक से अधिक पात्र हितग्राही शिविर में पहुंचकर योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकें। शिविर में सामाजिक सुरक्षा, राजस्व, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, स्वास्थ्य, शिक्षा, महिला एवं बाल विकास, श्रम, कृषि तथा अन्य विभागों की सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। जिला प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे जनकल्याण शिविर में पहुंचकर शासन की योजनाओं की जानकारी प्राप्त करें, पात्रता अनुसार आवेदन करें तथा अपनी समस्याओं के निराकरण का लाभ उठाएं। यह शिविर आमजन और प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने तथा सेवाओं की सुगम उपलब्धता सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

खंडवा में अमृत भारत एक्सप्रेस का स्टॉपेज पुणे-दानापुर ट्रेन को मिला नियमित ठहराव

खंडवा मीडिया ऑडीटर, (निप्र)। खंडवा जंक्शन के रेल यात्रियों के लिए एक बड़ी और राहत भरी खबर है। महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश और बिहार के बीच यात्रा करने वालों को बड़ी सुविधा देते हुए रेलवे ने पुणे-दानापुर अमृत भारत एक्सप्रेस (11431/11432) का खंडवा स्टेशन पर नियमित स्टॉपेज मंजूर कर दिया है। यह ट्रेन पहले स्पेशल ट्रेन के रूप में चल रही थी, लेकिन इसका खंडवा में ठहराव नहीं था। हाल ही में खंडवा सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात कर इसके स्थायी संचालन और खंडवा में स्टॉपेज की मांग की थी, जिसे रेलवे मंत्रालय ने स्वीकृति दे दी है। मध्य रेल क्षेत्रीय परामर्शदात्री समिति के सदस्य मनोज सोनी ने बताया कि खंडवा क्षेत्र में रेल सुविधाओं के विस्तार के लिए यह एक महत्वपूर्ण कदम है।

17 जून को उद्घाटन, पूरी तरह नॉन-एसी है ट्रेन: हरी झंडी: रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव 17 जून को पुणे से अमृत भारत एक्सप्रेस स्पेशल को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। इसके बाद शनिवार से ट्रेन का नियमित संचालन शुरू होगा। कोच की सुविधा: यह ट्रेन पूरी तरह नॉन-एसी है, जिसमें जनरल और स्लीपर श्रेणी के कुल 18 एलएचबी (साक्र) कोच लगाए जाएंगे। कम लागत में सफर: इससे विशेष रूप से स्लीपर और सामान्य श्रेणी के यात्रियों को कम लागत में लंबी दूरी की आरामदायक सुविधा मिलेगी। पुणे-दानापुर अमृत भारत एक्सप्रेस अपने सफर में प्रमुख रूप से पुणे, दौंड, अहमदनगर, मनमाड, भुसावल, खंडवा, इटारसी, जबलपुर, सतना, प्रयागराज, पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर और आरा स्टेशनों पर रुकते हुए दानापुर तक का सफर तय करेगी।

रायसेन में प्री-मानसून बारिश 5 दिन से जारी उमस से मिली राहत

किसानों ने धान की बुवाई की तैयारी तेज की

मीडिया ऑडीटर,रायसेन (निप्र)। मध्य प्रदेश में मानसून की औपचारिक शुरुआत से पहले रायसेन जिले में पिछले पांच दिनों से प्री-मानसून बारिश हो रही है। रुक-रुक कर हो रही इस बारिश और तेज हवाओं ने मौसम का मिजाज बदल दिया है, जिससे लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत मिली है और वातावरण में ठंडक घुल गई है। किसानों ने भी धान की बुवाई के लिए तैयारियां तेज कर दी हैं।मंगलवार दोपहर करीब 2 बजे तेज बारिश शुरू हुई, जो लगभग 30 मिनट तक जारी रही। इसके बाद देर शाम तक हल्की बारिश का सिलसिला चलता रहा। इस बारिश के कारण शहर के कई क्षेत्रों में सड़कों पर पानी जमा हो गया।मौसम विभाग के अनुसार, मध्य प्रदेश में मानसून 21 से 23 जून के बीच प्रवेश कर सकता है। विभाग ने बुधवार को भी गरज-चमक के साथ बारिश और तेज हवाएं चलने की संभावना जताई है।बारिश के साथ ही जिले के किसानों ने खरीफ सीजन की तैयारियां तेज कर दी हैं। किसान कृषि यंत्रों की मदद से खेतों की जुताई और समतलीकरण कर धान की बुवाई के लिए जमीन तैयार करने में जुटे हैं। अच्छी बारिश की उम्मीद से किसानों के चेहरों पर उत्साह देखा जा रहा है।मंगलवार को जिले का अधिकतम तापमान 37 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। लगातार हो रही बारिश के कारण तापमान में गिरावट आई है, जिससे मौसम सुहावना बना हुआ है। इधर, नगर पालिका ने भी संभावित जलभराव को देखते हुए तैयारियां शुरू कर दी हैं।

आयसर और बाइक की आमने-सामने टक्कर, दो की मौत बुरहानपुर में इंदौर-इच्छापुर हाईवे पर हादसा

मीडिया ऑडीटर,बुरहानपुर (निप्र)। बुरहानपुर में इंदौर-इच्छापुर हाईवे पर बुधवार दोपहर एक भीषण सड़क हादसे में दो युवकों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। यह दुर्घटना इच्छापुर स्थित भोटा फाटा पुलिया के पास हुई। पुलिस के अनुसार, दोपहर करीब डेढ़ बजे आयसर वाहन और एक बाइक की आमने-सामने की टक्कर हो गई। बाइक पर तीन युवक सवार थे।

खंडवा के रहने वाले थे दोनों: हादसे में खंडवा के गोडवाड़ी निवासी नीलेश (28) और यशवंत (27) की जान चली गई। एक युवक की मौके

पर ही मौत हो गई थी, जबकि दूसरे ने जिला अस्पताल में दम तोड़ा। रोहित पिता मांगीलाल नामक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूचना मिलने पर डायल 112 की टीम तुरंत मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। शाहपुर थाना पुलिस ने इस मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

जिला रोजगार कार्यालय में रोजगार मेला 19 जून को

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। जिला रोजगार कार्यालय में 19 जून को प्रातः 11:00 बजे से रोजगार मेला आयोजित किया जाएगा। रोजगार मेले में निजी क्षेत्र की फ्रीडम एम्पलाईबिलिटी एकेडमी, सूर्या इंटरप्राइजेस सीहोर, सूलिन ग्लोबल एंटरप्राइजेज आदि कम्पनियों द्वारा बैंक असिस्टेंट मैनेजर, सेल्स ऑफिसर, इंग्लिश टीचर, कस्टमर केयर, सुपरवाइजर, एचआर, इंग्लिश टीचर, आदि के लगभग 220 पदों पर भर्ती की जाएगी। इच्छुक आवेदक अपने समस्त शैक्षणिक एवं अन्य मूल प्रमाणपत्रों के साथ रोजगार कार्यालय सीहोर में उपस्थित हो सकते है।

जग्गाखेड़ी में 8 नए औद्योगिक प्लॉटों की ई-बिडिंग शुरू निवेश और रोजगार के अवसर बढ़ने की उम्मीद

मीडिया ऑडीटर,मंदसौर (निप्र)। मंदसौर के जग्गाखेड़ी औद्योगिक क्षेत्र में निवेश और औद्योगिक विस्तार के नए अवसर खुले हैं। मध्यप्रदेश औद्योगिक विकास निगम (एमपीआईडीसी) ने यहां आठ नए औद्योगिक प्लॉटों के लिए ई-बिडिंग प्रक्रिया शुरू की है। पूर्व में सभी भूखंड आवंटित हो चुके थे, जिसके बाद नए निवेशकों की मांग पर अनुपयोगी भूमि को विकसित कर ये प्लॉट तैयार किए गए हैं। जग्गाखेड़ी औद्योगिक क्षेत्र के फेज-1 में जारी इन आठ प्लॉटों में दो भूखंड 1469.77 वर्गमीटर और छह भूखंड 1153.74 वर्गमीटर क्षेत्रफल के हैं। इन पर लघु एवं मध्यम स्तर के उद्योग स्थापित किए जा सकेंगे। निवेशकों ने इन नए भूखंडों में रुचि दिखाई है, जिससे औद्योगिक गतिविधियों में तेजी आने की उम्मीद है।

एमपीआईडीसी ने प्रदेशभर में कुल 213 औद्योगिक प्लॉटों के आवंटन के

लिए ई-बिडिंग प्रक्रिया शुरू की है, जिसमें मंदसौर का जग्गाखेड़ी क्षेत्र भी शामिल है। उद्योग जगत में इस पहल को लेकर उत्साह है। उम्मीद है कि इससे नए निवेश के साथ स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। जग्गाखेड़ी औद्योगिक क्षेत्र में बेहतर सड़क नेटवर्क, बिजली, पानी और अन्य आवश्यक आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध हैं। इन्हीं सुविधाओं के कारण निवेशकों की रुचि लगातार बढ़ रही है। नए भूखंडों की उपलब्धता को उद्यमियों के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर माना जा रहा है, जिससे मंदसौर की औद्योगिक पहचान और मजबूत होगी। जग्गाखेड़ी अब मंदसौर के औद्योगिक विकास का एक प्रमुख केंद्र बन गया है। कृषि प्रधान जिले के रूप में अपनी पहचान रखने वाला मंदसौर अब उद्योग और निवेश के क्षेत्र में भी तेजी से प्रगति कर रहा है। फेज-1 में विकसित किए गए कुल 136 औद्योगिक प्लॉट पहले ही आवंटित हो चुके हैं। वर्तमान में यहां 78 इकाइयां कार्यरत हैं, जिनसे लगभग 700 लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिल रहा है। वहीं फेज-2 का विकास कार्य भी जारी है, जहां 219 नए औद्योगिक प्लॉट विकसित किए जा रहे हैं। ऐसे में फेज-1 में नए भूखंडों की उपलब्धता ने निवेशकों का उत्साह बढ़ा दिया है और इनके लिए प्रतिस्पर्धात्मक बिडिंग की संभावना जताई जा रही है।

छोटे जिलों में औद्योगिकीकरण को मिल रही गति: प्रदेश सरकार की औद्योगिक नीति का प्रभाव अब छोटे और मध्यम शहरों में भी दिखाई देने लगा है। मंदसौर, विदिशा, मंडला, कटनी सहित कई जिलों में उद्योगों के लिए बेहतर माहौल तैयार किया जा रहा है। उद्योग-अनुकूल नीतियों और निवेश प्रोत्साहन प्रयासों के चलते छोटे जिलों में भी निवेशकों की रुचि बढ़ रही है। एमपीआईडीसी के कार्यकारी संचालक राजेश राठौड़ के अनुसार मध्यप्रदेश निवेशकों की पसंदीदा औद्योगिक गंतव्य के रूप में उभर रहा है। प्रदेश के सभी क्षेत्रों में संतुलित औद्योगिक विकास को बढ़ावा दिया जा रहा है और जग्गाखेड़ी में नए औद्योगिक भूखंडों की उपलब्धता इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे निवेश, रोजगार और क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी।

मेसी की फुटबॉल वर्ल्डकप में पहली हैट्रिक

टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा गोल दागने के रिकॉर्ड की बराबरी की; 11 इंटरनेशनल हैट्रिक लगा चुके

नई दिल्ली,एजेंसी। अर्जेंटीना के स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेसी ने बुधवार को फुटबॉल वर्ल्ड कप में अपने करियर की पहली हैट्रिक लगा दी है। यह मौजूदा वर्ल्ड कप की पहली हैट्रिक भी है। मेसी की यह हैट्रिक खास मौके पर आई है। उन्होंने आज ही के दिन 17 जून 2006 में फीफा वर्ल्ड कप में अपना पहला मैच खेला था। 38 साल के मेसी ने 17वें, 60वें और 76वें मिनट में गोल दागे। वे 78 मिनट के गेम के बाद मैदान से बाहर चले गए। कैनसस सिटी के एरोहेड स्टेडियम में मेसी के इस दमदार प्रदर्शन से अर्जेंटीना ने ग्रुप-जे के मुकाबले में अल्जीरिया को 3-0 से हराया। मेसी अब तक 11 इंटरनेशनल हैट्रिक लगा चुके हैं।

इस जीत से अर्जेंटीना ग्रुप-जे के पॉइंट्स टेबल में पहले स्थान पर आ गई है। अर्जेंटीना अब 22 जून को अपने अगले ग्रुप मुकाबले में ऑस्ट्रिया से भिड़ेगा। वहीं, अल्जीरिया की टीम अपने अगले मैच में जॉर्डन से भिड़ेगी।

मैच में खास: मेसी ने टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे ज्यादा गोल के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। उनके नाम अब 16 गोल हो गए हैं।

मेसी 5 अलग-अलग वर्ल्ड कप में गोल करने वाले दुनिया के दूसरे फुटबॉलर बने हैं। उनसे पहले पुर्तगाल के क्रिस्टियानो रोनाल्डो यह कारनामा कर चुके हैं।

मेसी ने क्लोज के रिकॉर्ड की बराबरी: इस मैच से पहले मेसी के नाम वर्ल्ड कप में 13 गोल थे। वे जर्मनी के दिग्गज फुटबॉलर मिरोस्लाव क्लोज के 16 गोल के रिकॉर्ड से तीन गोल पीछे थे। मेसी ने हैट्रिक लगाकर इस अंतर को खत्म किया और क्लोज की बराबरी पर आ गए।

मेसी ने 200वां इंटरनेशनल गोल दागा: मेसी ने अल्जीरिया के खिलाफ शुरुआती मिनटों में गोल कर मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना को 1-0 की बढ़त दिलाई। यह मुकाबला मेसी के इंटरनेशनल करियर का 200वां मैच भी था। उनका इंटरनेशनल करियर 2005 में 18 वर्ष की उम्र में शुरू हुआ था। उनसे ज्यादा मैच केवल पुर्तगाल के क्रिस्टियानो रोनाल्डो और कुवैत के बदर अल-मुतावा ने खेले हैं।

पहले हाफ में ऑफ साइड के कारण 2 गोल रद्द: मुकाबले की शुरुआत तेज रही। मेसी और अल्जीरिया के फारिस शाइबी, दोनों के गोल ऑफसाइड के कारण रद्द कर दिए गए। इसके बाद मेसी ने 30 गज दूर से गेंद हासिल की, डिफेंडर को छकाया और शानदार कर्लिंग शॉट लगाकर अर्जेंटीना को बढ़त दिला दी। पहले हाफ में अल्जीरिया ने अर्जेंटीना को ज्यादा मौके नहीं दिए। हालांकि, एलेक्सिस मैक एलिस्टर का एक हेडर क्रॉसबार के ऊपर चला गया। दूसरी ओर अल्जीरिया के अनिस हद्ज मौसा ने भी मौका बनाया, लेकिन गोलकीपर एमिलियानो मार्टिनेज ने आसानी से उसे रोक लिया।

दूसरे हाफ में छाए मेसी, 3 गोल दागे: ब्रेक के बाद मेसी लगातार अर्जेंटीना के हमलों का केंद्र बने रहे। पहले उन्होंने दूर से शॉट लगाया और फिर लाउतारो मार्टिनेज को शानदार पास दिया। उनका दूसरा गोल तब आया जब मैक एलिस्टर के तेज शॉट को गोलकीपर लुका जिदान पूरी तरह नियंत्रित नहीं कर सके।

कैनसस सिटी में दिखा 'मेसी-मेनिया': अर्जेंटीना की टीम के कैनसस सिटी पहुंचने के बाद से ही शहर में मेसी को लेकर जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। मैच के दिन हजारों प्रशंसक मेसी की नंबर-10 जर्सी पहनकर स्टेडियम पहुंचे।

डाउनटाउन क्षेत्र में आयोजित वॉच पार्टी में भी मेसी के सम्मान में विशेष आयोजन किए गए। उनके नाम के नारे पूरे मुकाबले के दौरान गूंजते रहे। मेसी की इस अचीवमेंट ने एक बार फिर उन्हें फुटबॉल इतिहास के महानतम खिलाड़ियों की बहस के केंद्र में ला खड़ा किया है।

ऑस्ट्रिया की वर्ल्ड कप में 36 साल बाद पहली जीत: **जॉर्डन को 3-1 से हराया:** ऑस्ट्रिया ने फीफा वर्ल्ड कप के इतिहास में 36 साल (1990 के बाद) बाद अपनी पहली जीत दर्ज की है। सैन फ्रांसिस्को में खेले गए ग्रुप स्टेज के एक रोमांचक मुकाबले में ऑस्ट्रिया ने पहली बार वर्ल्ड कप खेल रही जॉर्डन की टीम को 3-1 से हरा दिया। ऑस्ट्रिया की टीम साल 1998 के बाद पहली बार वर्ल्ड कप फाइनल्स के लिए क्वालिफाई कर पाई थी, लेकिन इस टूर्नामेंट में जीत का स्वाद उसने आखिरी बार 19 जून 1990 को चखा था, जब उसने अमेरिका को 2-1 से हराया था।

ऑस्ट्रियाई टीम के लिए रोमानो श्मिड ने 21वें मिनट में पहला गोल दागा। इसके बाद जॉर्डन के अली ओलवान ने 50वें मिनट में गोल कर मैच 1-1 से बराबर कर दिया। हालांकि, 76वें मिनट में जॉर्डन के ही याज़ान अल अरब के ओन-गोल (आत्मघाती गोल) और मैच के आखिरी पलों (90+12वें मिनट) में मार्को अरनौटोविच द्वारा पेनल्टी पर किए गए गोल की बदौलत ऑस्ट्रिया ने मैच अपने नाम कर लिया।

अंजुम ने दीप्ति में सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंडर बताया, टीम को जीत दिलाने में रहता है योगदान

नई दिल्ली,एजेंसी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान अंजुम चोपड़ा ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा की जमकर सराहना करते हुए कहा है कि वह भारत की अब तक की सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंडर हैं। खेल के तीनों ही विभागों में बेहतरीन प्रदर्शन कर वह विशेष प्रभाव छोड़ती हैं। अंजुम ने दीप्ति प्रभाव की जमकर सराहना करते हुए उन्हें उन दुर्लभ क्रिकेटरों में से एक बताया है जिनके पास बल्लेबाजी, गेंदबाजी या क्षेत्ररक्षण के संयोजन से मैच का रुख बदलने की क्षमता होती है। चोपड़ा ने ये प्रतिक्रिया दीप्ति के बर्मिंघम में पाकिस्तान के खिलाफ महिला टी20 विश्व कप मैच में शानदार प्रदर्शन को देखते हुए की है। इसमें उन्होंने पांच विकेट लेकर भारत को 64 रन से विजयी शुरुआत दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

अंजुम ने इस बात पर जोर दिया कि उन्हें भारतीय टीम के लिए खेलते हुए किसी ऐसे ऑलराउंडर की याद नहीं है जिसने दीप्ति जैसा प्रभाव डाला हो। उन्होंने कहा, हमारे पास ऑलराउंडर रहे हैं, लेकिन जब निरंतर प्रदर्शन की बात आती है, तो मुझे लगता है कि दीप्ति न केवल भारत में बल्कि विश्व क्रिकेट में उन कुछ चुनिंदा खिलाड़ियों में से हैं जो किसी भी टीम के लिए महत्वपूर्ण योगदान दे सकती हैं। उन्होंने आगे कहा कि दीप्ति निस्संदेह भारत की सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंडर में शामिल हैं और उन्हें बड़े मंच पर प्रदर्शन करना पसंद है। साथ ही कहा कि यह केवल दीप्ति ही नहीं, बल्कि मौजूदा भारतीय टीम में कुछ और क्रिकेटर भी हैं जो दबाव वाले मैचों में अपना खास प्रभाव छोड़ना पसंद करते हैं और सुर्खियों में रहने का आनंद लेते हैं। अंजुम ने कहा कि यही बात मौजूदा भारतीय टीम को विशेष बनाती है, क्योंकि वे कठिन हालातों में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हैं और महत्वपूर्ण मौकों पर टीम के लिए अहम योगदान देते हैं। वर्तमान विश्व कप में भारत की संभावनाओं को लेकर अंजुम ने स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना की भी प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि मंधाना एक स्टार खिलाड़ी हैं, जो अपनी स्टाइलिश बल्लेबाजी और लगातार रन बनाने की क्षमता से भारत को मैच जिताने में मदद करती हैं। मंधाना ने स्मृति को हमेशा एक कुशल बल्लेबाज के रूप में देखा है जो तकनीकी रूप से मजबूत हैं और मैदान के चारों ओर शॉट्स खेलने में सक्षम हैं।साथ ही कहा कि अंजुम और दीप्ति जैसी खिलाड़ी भारतीय महिला क्रिकेट को नई ऊंचाइयों पर ले जा रही हैं।

खिलाड़ी जश्न मनायें पर तय सीमा के अंदर : मैकुलम

लंदन ,एजेंसी। नाइटक्लब विवाद को लेकर इंग्लैंड क्रिकेट टीम के मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम ने कहा है कि खिलाड़ियों को सफलता के बाद जश्न मनाने का अधिकार है पर इस दौरान उन्हें ध्यान रखना चाहिये कि ये एक सीमा के अंदर हो। साथ ही कहा कि किसी भी हाल में व्यवहार खराब न हो। नाइटक्लब कांड में टीम के कप्तान बेन स्टोक्स और गस एटकिंसन फंसे हैं और इसी कारण दूसरे टेस्ट से भी बाहर कर दिये गये हैं। मैकुलम के अनुसार उनके खिलाड़ी अधिक जिम्मेदारी से फैसला लें और ऐसी कोई हरकत न करें जिससे माहौल खराब हो। मैकुलम ने माना है कि वह भी नाइटक्लब प्रकरण के लिए कुछ हद तक जिम्मेदार हैं। उन्होंने कहा, वास्तव में, मैं कोच होने के कारण टीम का प्रभारी हूं और जो भी चीजें ठीक से काम नहीं करतीं, उसकी जिम्मेदारी मैं लेता हूं। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि वे खिलाड़ियों के लिए हर व्यक्तिगत फैसला नहीं ले सकते। मैकुलम ने अपनी भूमिका को परिभाषित करते हुए कहा, मेरा काम एक ऐसा वातावरण तैयार करना है, जो उन युवा खिलाड़ियों को सहारा दे सके जो अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के सबसे बड़े मंच पर उच्च दबाव और कड़ी निगरानी का सामना कर रहे हैं। वे साल के बारह महीने घर से दूर रहते हैं और इसके साथ आने वाली सभी चुनौतियों का सामना करते हैं।

स्टोक्स के बचाव में आये नाथन लियोन

सिडनी ,एजेंसी। नाइटक्लब विवाद को लेकर आलोचनाओं में घिरे इंग्लैंड क्रिकेट टीम के टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स के बचाव में ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी ऑफ स्पिनर नाथन लियोन आये हैं। लियोन ने स्टोक्स की प्रशंसा करते हुए उन्हें क्रिकेट इतिहास के महानतम खिलाड़ियों में से एक बताया है और उम्मीद जताई है कि वे अभी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास नहीं लेंगे।लियोन ने कहा कि उनके मन में इंग्लैंड के इस ऑलराउंडर के लिए बेहद सम्मान है। ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर ने दृढ़ता से कहा, मैं सच में उम्मीद करता हूं कि यह स्टोक्स के करियर का अंत नहीं है। मेरे मन में उनके लिए बेहद सम्मान है। मेरी नजर में वह क्रिकेट खेलने वाले सबसे महान खिलाड़ियों में से एक हैं। लियोन ने यह भी उम्मीद जताई कि स्टोक्स अगले साल होने वाली एशेज सीरीज में मैदान पर जरूर नजर आएंगे, क्योंकि उनकी मौजूदगी खेल के लिए बेहद अहम है। ऐसे समय में जब स्टोक्स नाइट क्लब विवाद में व्यक्तिगत जांच के दायरे में हैं, लियोन जैसे प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ी का यह खुला समर्थन उन्हें मानसिक रूप से मजबूती प्रदान कर सकता है। एक ओर जहां लियोन ने स्टोक्स के भविष्य को लेकर अपनी चिंता और समर्थन व्यक्त किया, वहीं खुद वह भी अपने करियर के एक महत्वपूर्ण पड़ाव पर हैं। पिछले कुछ समय से हैमस्ट्रिंग की चोट से जूझ रहे 38 वर्षीय ऑफ स्पिनर अगस्त में बांग्लादेश के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की घरेलू सीरीज से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी करेंगे। यह सीरीज 13 अगस्त से डार्विन में शुरू होगी। लियोन ने साफ कर दिया है कि वह विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 चक्र की बाकी सभी टेस्ट सीरीज खेलना चाहते हैं और उनका लक्ष्य ऑस्ट्रेलिया के लिए लंबे समय तक योगदान देना है।उनके सामने एक और बड़ा और व्यक्तिगत लक्ष्य 600 टेस्ट विकेट पूरे करने का है। लियोन ने अब तक 141 टेस्ट मैचों में 567 विकेट अपने नाम किए हैं। अगर वह अपनी फिटनेस बनाए रख पाते हैं और अपेक्षित प्रदर्शन करते हैं, तो मौजूदा चक्र के दौरान वह 600 टेस्ट विकेट पूरे करने वाले इतिहास के छठे गेंदबाज बन सकते हैं।

पेले से आगे निकले फ्रांस के एमबाप्पे विश्व कप में दागे 14 गोल

ईस्ट रदरफोर्ड : फ्रांस के काइलियान एमबाप्पे ने विश्व कप में सर्वाधिक गोल करने वालों की सूची में ब्राजील के महान फुटबॉलर पेले को पीछे छोड़ दिया है। सेनेगल के खिलाफ फ्रांस के विश्व कप मैच एमबाप्पे ने दो गोल दागे जिसके दम पर उनकी टीम ने 3-1 से जीत दर्ज की। एम्बाप्पे ने उन तीन में से दो गोल किए और इसके साथ ही FIFA वर्ल्ड कप में उनके कुल गोल की संख्या 14 हो गई।

फ्रांस के लिए 58 गोल करके उन्होंने ओलिवियर गिरोड का फ्रेंच रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। उन्होंने मैच के बाद कहा, 'मैं इतिहास रचने और अपनी टीम को विश्व कप जीतने में मदद करने के लिए खेलता हूं।' तीसरा विश्व कप खेल रहे 27 वर्ष के एमबाप्पे ने विश्व कप गोल के मामले में पेले और फ्रांस के जस्ट फोंटेन को पछाड़ा। वह जर्मनी के गर्ड म्यूलेर साथ संयुक्त तीसरे स्थान पर और ब्राजील के रोनाल्डो से एक गोल पीछे हैं। वहीं अल्जीरिया के खिलाफ 3-0 से मिली जीत में हैट्रिक लगाने वाले अर्जेंटीना के लियोनेल मेस्सी और जर्मनी के मिरोस्लाव क्लोसे के नाम विश्व कप में सर्वाधिक 16 गोल हैं। एमबाप्पे फ्रांस की 2018 विश्व कप में खिताबी जीत और 2022 में फाइनल तक ले जाने के सूत्रधार रहे। उन्होंने रीयाल मैड्रिड के लिए पिछले सत्र में 25 गोल दागे हैं।

रुट नहीं स्टीवर्ट के नाम है सबसे अधिक अंतराल के बाद कप्तानी संभालने का रिकार्ड

बर्मिंघम,एजेंसी। इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट करीब चार साल के अंतराल के बाद एक बार फिर टीम की कप्तानी करते दिखेंगे। नियमित कप्तान बेन स्टोक्स को नाइटक्लब विवाद के कारण दूसरे टेस्ट से बाहर कर दिया गया है। रुट ने इससे पहले साल 2022 में वेस्टइंडीज के खिलाफ आंखिरी बार टीम की कप्तानी की थी। इस प्रकार रुट को चार साल के अंतराल के बाद कप्तानी मिली है पर अगर सबसे अधिक अंतराल के बाद किसी की कप्तान के तौर पर वापसी हुई है तो ये रिकार्ड इंग्लैंड के ही पूर्व कप्तान एलेक स्टीवर्ट के नाम है। स्टीवर्ट ने साल 1993 में ग्राहम गूच के चोटिल होने पर दो टेस्ट मैचों में कप्तानी की थी। इसके बाद उन्हें 1998 तक इंतजार करना पड़ा, इस बीच उन्होंने 49 टेस्ट मैच बिना कप्तानी किए खेले। 1998 में उन्हें नियमित कप्तान बनाया गया था, इस तरह उन्होंने 49 टेस्ट मैचों के लंबे अंतराल के बाद कप्तानी में वापसी की।

इस सूची में दूसरा सबसे लंबा गैप पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज वकार यूनिस के नाम है। वकार ने दिसंबर 1993 में एक टेस्ट में कप्तानी करने के बाद मई 2001 में फिर से टीम की बागडोर संभाली थी। इस दौरान उन्होंने 47 टेस्ट मैच खेले, जिनमें उन्होंने कप्तानी नहीं की थी। वह एशिया के पहले ऐसे कप्तान बने थे जिन्होंने दो अलग-अलग कार्यकाल में कप्तानी के बीच इतना लंबा अंतराल देखा।जो रूट अब वकार यूनिस के साथ संयुक्त रूप से टेस्ट क्रिकेट में कप्तानी के बीच दूसरा सबसे लंबा अंतराल रखने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने मार्च 2022 में कप्तानी छोड़ने के बाद से 47 टेस्ट मैच खेले हैं और अब 17 जून 2026 को फिर से कप्तानी की टोपी पहनेंगे।

ऑस्ट्रेलिया की किसी भी टीम में मिल जाती विराट को जगह : ब्रेट ली

सिडनी । ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज तेज गेंदबाज ब्रेट ली का मानना है कि भारतीय टीम के बल्लेबाज विराट कोहली एक ऐसे खिलाड़ी हैं जो ऑस्ट्रेलिया की किसी भी महान टीम का हिस्सा बन सकते हैं। ब्रेट ली के अनुसार इस टीम में उसी खिलाड़ी को जगह मिल सकती है। जिसके केवल रनों के आंकड़े ही बेहतर नहीं हों बल्कि मानसिकता, अनुशासन और तीव्र प्रतिस्पर्धात्मकता भी उसमें होनी चाहिये। ली के अनुसार, इन कसौटियों पर केवल विराट ही सही बैठते हैं।इस पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा कि विराट में वह आक्रामकता, फिटनेस और मुकाबला करने की क्षमता है, जिस पर ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट को हमेशा गर्व रहा है। उनके अनुसार, कोहली हमेशा सफल होने के लिए निरंतर प्रयास करते थे और खेल के प्रति उनका नजरिया कभी किसी भी चीज से समझौता नहीं करता था। यह वह अटल मानसिकता ही थी जिसने उन्हें एक दशक से अधिक समय तक हावी रहने वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम में सहजता से जगह दिला दी होती। पहले भी कई ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटरों ने विराट की प्रशंसा करते हुए उन्हें एक महान बल्लेबाज बताया था। ये विश्व क्रिकेट में उनके असाधारण कद को साबित करता है। कई प्रतिभाशाली क्रिकेटर उनसे पहले आए और उनके बाद भी आए, लेकिन अनुशासन, खेल के प्रति समर्पण और तीव्र इरादों के कारण विराट आज भी सभी से आगे खड़े हैं। उन्होंने अपने दमदार खेल के दम पर क्रिकेट जगत में एक अद्वितीय मुकाम हासिल किया है। आज भी, जब वे केवल एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलते हैं, तो भी जहां जाते हैं।

बीसीसीआई ने त्रिकोणीय ए सीरीज में हुए विवाद को लेकर वैभव का बचाव किया

श्रीलंकाई बोर्ड ने अपने खिलाड़ियों को फटकार लगायी

मुम्बई ,एजेंसी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने श्रीलंका में जारी ए टीमों की त्रिकोणीय सीरीज में विवादों में फंसे भारत ए टीम के 15 साल के उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी का बचाव किया है। इस सीरीज के एक मैच में वैभव और श्रीलंका ए के खिलाड़ी विशेन हलमबागे के बीच झड़प हुई थी। दोनो को ही एक दूसरे का धक्का देते हुए भी देखा गया था। जिससे बाद से ही दोनो पर कार्रवाई की मांग की जा रही थी। इसके बाद से ही ये सवाल उठ रहा था कि इस मामले में बीसीसीआई वैभव पर क्या कार्रवाई करता है। वहीं स पूरे मामले में अब बीसीसीआई का आधिकारिक बयान सामने आया है, जिसमें बोर्ड ने वैभव का समर्थन किया है।

गौरतलब है कि मैच के मैदान पर हुई इस आक्रामक घटना के बाद, वैभव के व्यवहार की आलोचना शुरु हो गयी थी। कई लोगों का मानना था कि खेल के मैदान पर ऐसी आक्रामकता स्वीकार्य नहीं है और एक उभरते हुए खिलाड़ी से धैर्य की उम्मीद की जाती है। इसके बाद भी बोर्ड ने वैभव को फटकार लगाने के बजाय उनका बचाव किया है। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने इस पूरे विवाद को एक मामूली बात करार दिया। उन्होंने कहा कि बोर्ड का पूरा ध्यान टीम की जीत और टूर्नामेंट पर केंद्रित है, न कि इस तरह के बाहर के मामलों पर बात करना। सैकिया ने कहा, हम अपने खिलाड़ियों को केवल टूर्नामेंट पर ध्यान केंद्रित करने देंगे। वे ऐसी किसी भी बाहरी या अप्रत्याशित घटना से अपना ध्यान न भटकाएं। इससे साफ है कि बोर्ड अपने खिलाड़ियों को बचाना चाहता है।

टाइम मैगजीन की शीर्ष 100 खिलाड़ियों की सूची में मंधाना शामिल

लंदन ,एजेंसी। ब्रिटेन की प्रतिष्ठित टाइम मैगजीन ने साल 2026 के लिए अपने 100 प्रभावशाली खिलाड़ियों की जो सूची जारी की है। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उपकप्तान स्मृति मंधाना को भी जगह मिली है। हैरानी की बात ये है कि इसमें

इसमें भारतीय पुरुष टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली और युवा कप्तान शुभमन गिल को भी जगह नहीं मिली है। इस प्रकार भारत से केवल मंधाना ही इस वैश्विक प्लेटफॉर्म पर स्थान पाने वाली एकमात्र भारतीय खिलाड़ी बन गयी हैं। इससे उनके बढ़ते प्रभाव का अंदाजा होता है।

सलामी बल्लेबाज मंधाना ने अपने करियर में कई अहम रिकार्ड बनाये हैं। उनके नाम महिला टी20 में सर्वाधिक 34 अर्धशतक हैं। इस प्रारूप में वह 4401 रन बनाकर दूसरी सबसे ज्यादा रन बनाने वाली क्रिकेटर भी हैं। एकदिवसीय क्रिकेट में भी वह भारत की ओर से दूसरी सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी हैं। इससे उनकी असाधारण निरंतरता का अंदाजा होता है।

गौरतलब है कि टाइम मैगजीन की इस प्रतिष्ठित सूची में उन खिलाड़ियों, कोचों, समर्थकों और निवेशकों को सम्मानित किया गया है। जिन्होंने खेल की दुनिया में गहरा प्रभाव डाला है। मंधाना के साथ इसमें विश्व के कुछ सबसे बड़े खेल सितारे भी शामिल हैं। इसमें अमेरिकी बास्केटबॉल स्टार लेब्रॉन जेम्स, फुटबॉल स्ट्राइकर लियोनेल मेसी और क्रिस्टियानो रोनाल्डो, के अलावा दिग्गज गोल्फर रोरी मैकलॉय, क्रिकेटर टेम्बा बावुमा सहित कई दिग्गज खिलाड़ी शामिल हैं। मैगजीन ने मंधाना की कई विशिष्ट उपलब्धियों को रेखांकित किया है। घरेलू एकदिवसीय मैच में दोहरा शतक बनाने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी के रूप में भी उनकी सराहना हुई है। साथ ही वह तीनों अंतरराष्ट्रीय प्रारूपों (टेस्ट, वनडे, टी20) में शतक बनाने वाली पहली महिला क्रिकेटर भी हैं। उनके नाम अंतरराष्ट्रीय महिला क्रिकेट में संयुक्त रूप से 17 शतक दर्ज हैं। मैगजीन ने रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर को 2024 और 2026 में महिला प्रीमियर लीग का खिताब जीतने में उनकी कप्तानी भूमिका का भी जिक्र किया, और उन्हें पिछले साल एकदिवसीय विश्व वर्ल्ड कप जीतने वाली भारतीय टीम की उपकप्तान के रूप में भी याद किया। साल 2013 में अंतरराष्ट्रीय डेब्यू करने वाली मंधाना ने 2025 वनडे वर्ल्ड कप में भी अविस्मरणीय प्रदर्शन किया था। नौ मैचों में 54.25 की औसत से 434 रन बनाकर, जिसमें एक शतक और दो अर्धशतक शामिल थे, वह भारत की सबसे अधिक रन बनाने वाली खिलाड़ी रही हैं।

अमरपाटन जनपद पंचायत में जनकल्याण शिविर संपन्न: 3018 आवेदनों का मौके पर निराकरण, नागरिकों को मिला लाभ

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। मैहर जिले के अमरपाटन विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत कठहा के शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल प्रांगण में बुधवार को जनकल्याण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में क्षेत्रीय नागरिकों की समस्याओं के निराकरण तथा विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ त्वरित रूप से उपलब्ध कराने हेतु व्यापक व्यवस्थाएं की गईं कार्यक्रम की अध्यक्षता क्षेत्रीय विधायक डॉ. राजेन्द्र कुमार सिंह ने की। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष रामखेलावन कोल, जिला पंचायत सदस्य हरीशकांत त्रिपाठी, जनपद अध्यक्ष माया विनीत पांडेय, जनपद उपाध्यक्ष मनोज पटेल सहित जनपद पंचायत अमरपाटन के सीईओ वेदमणि मिश्रा एवं अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे जनपद पंचायत अमरपाटन के मुख्य कार्यपालन अधिकारी वेदमणि मिश्रा ने

जानकारी दी कि जनकल्याण शिविर के दौरान कुल 3028 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 3018 आवेदनों का मौके पर ही निराकरण कर दिया गया। शेष 10 आवेदनों के निराकरण की कार्यवाही निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण की जाएगी शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा योजनाओं से संबंधित आवेदन लिए गए और पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया। ग्रामीणों की समस्याओं का त्वरित समाधान होने से लोगों में संतोष और उत्साह का वातावरण देखा गया। प्रशासन द्वारा यह प्रयास किया गया कि अधिक से अधिक प्रकरणों का समाधान स्थल पर ही सुनिश्चित हो सके इसी क्रम में जनपद पंचायत रामनगर की ग्राम पंचायत बड़ा इटमा में भी जनकल्याण शिविर का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता क्षेत्रीय विधायक डॉ. राजेन्द्र कुमार सिंह ने की। जनपद पंचायत रामनगर की मुख्य कार्यपालन अधिकारी भारती दीक्षित ने बताया कि इस शिविर में कुल 4247 आवेदन प्राप्त हुए जिनमें से 3842 आवेदनों का मौके पर निराकरण किया गया, जबकि शेष 405 आवेदनों का निराकरण समय-सीमा में किया जाएगा जनप्रतिनिधियों ने कहा कि ऐसे शिविरों से शासन की योजनाएं सीधे जनता तक पहुंचती हैं और ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान तेजी से संभव होता है अंत में बताया गया कि 18 जून को विकासखंड अमरपाटन के ग्राम पंचायत मुकुन्दपुर में अगला जनकल्याण शिविर आयोजित किया जाएगा, जिसमें अधिक से अधिक लोगों को लाभ पहुंचाने के प्रयास किए जाएंगे।

धान की सीधी बुवाई (डीएसआर) को बढ़ावा कृषि विभाग ने जारी की एडवायजरी

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जिले में धान की खेती को अधिक लाभकारी और संसाधन-सक्षम बनाने के उद्देश्य से किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग ने धान की सीधी बुवाई (डीएसआर) पद्धति अपनाने के लिए दिशा-निर्देश जारी किए हैं विभाग के अनुसार यह विधि न केवल पानी और श्रम की बचत करती है, बल्कि समय पर बुवाई होने से उत्पादन में भी वृद्धि होती है कृषि विज्ञान केन्द्र मझगवां के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख ने बताया कि बेहतर जमाव और सिंचाई प्रबंधन के लिए खेत का समतल होना अत्यंत आवश्यक है इसके लिए लेजर लैंड लेवलर का उपयोग सर्वोत्तम माना गया है हालांकि पारंपरिक जुताई और पाटा विधि से भी खेत समतल किया जा सकता है। डीएसआर के अंतर्गत नम और सूखी दो विधियां अपनाई जा सकती हैं नम विधि में बुवाई से पहले सिंचाई कर खेत तैयार किया जाता है जबकि सूखी विधि में पहले बुवाई कर बाद में सिंचाई या वर्षा पर निर्भर रहा जाता है। दोनों ही स्थितियों में सीड ड्रिल या जीरो टिलेज मशीन का उपयोग उपयुक्त बताया गया है धान की सीधी बुवाई के लिए 15 से 25 जून का समय सबसे उपयुक्त माना गया है जो मानसून आगमन से 10-15 दिन पूर्व होता है जिले के लिए एमटीयू-1010 जेआर-206 और जेआर-21 किस्मों की अनुशंसा की गई है सामान्य किस्मों के लिए 20-25 किलोग्राम तथा संकर धान के लिए 8-10 किलोग्राम बीज प्रति एकड़ पर्याप्त बताया गया है। बीज को बुवाई से पूर्व फफूंदनाशी घोल (कार्बेन्डाजिम . मैन्कोजेब) से उपचारित करने की सलाह दी गई है बुवाई के समय बीज की गहराई 2-3 सेमी तथा पंक्ति दूरी 18-22.5 सेमी रखने की अनुशंसा की गई है खरपतवार नियंत्रण के लिए रसायनिक और यांत्रिक दोनों उपाय सुझाए हैं जमाव पूर्व और जमाव के बाद अनुशंसित खरपतवारनाशियों के उपयोग के साथ-साथ आवश्यकता पड़ने पर हाथ से निराई करने की भी सलाह दी गई है ताकि प्रतिरोधकता विकसित न हो।

परसमनिया गोलीकांड की फॉरेंसिक जांच

घटना के छठवें दिन टीम ने किया मुआयना, दीवार पर मिले 3 गोलियों के निशान

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना जिले स्थित उचेहरा थाना क्षेत्र के परसमनिया गढ़ी में 11 जून को हुए चर्चित गोलीकांड के मामले में जांच तेज हो गई है। घटना के छठवें दिन फॉरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का बारीकी से मुआयना किया और अहम साक्ष्य जुटाए वैज्ञानिक अधिकारी डॉ. महेन्द्र सिंह के नेतृत्व में फॉरेंसिक टीम ने परसमनिया पहुंचकर गढ़ी के उस हॉल का निरीक्षण किया, जहां पूर्व जनपद उपाध्यक्ष रूपेन्द्र सिंह उर्फ बाबा राजा के साथ मारपीट और तोड़फोड़ की गई थी। इसके साथ ही टीम ने उस कमरे की भी सघन जांच की, जहां से उनकी वर्किंग पार्टनर सुनीता सिंह ने फायर किए थे उचेहरा पुलिस की मौजूदगी में हुई इस जांच की पूरी वीडियोग्राफी कराई गई है। परीक्षण के दौरान टीम को दीवार पर तीन गोलियों के स्पष्ट निशान मिले हैं फॉरेंसिक टीम जल्द ही अपनी फाइनल रिपोर्ट सौंपेगी विवाद के

दौरान चली थी गोली, पत्नी हुई थी घायल गौरतलब है कि रूपेन्द्र सिंह और उनकी पत्नी योगिता सिंह के बीच कई सालों से पारिवारिक विवाद चल रहा है जिसके कारण दोनों अलग-अलग रहते हैं। 11 जून को योगिता अपने भाई नागेन्द्र सिंह, बेटे और अन्य साथियों के साथ गढ़ी पहुंची थीं आपसी चर्चा के दौरान विवाद बढ़ गया और नागेन्द्र व उनके साथियों ने रूपेन्द्र पर हमला कर दिया इसी बीच, कमरे में बंद सुनीता सिंह ने अपनी लाइसेंसी राइफल से 3-4 राउंड फायर कर दिए। इनमें से एक गोली दीवार से टकराकर (रिकोशेट) योगिता सिंह के पेट में जा लगी जिसके बाद उन्हें गंभीर हालत में रीवा के अस्पताल में भर्ती कराया गया सुनीता सिंह जेल में, साले पर भी मारपीट का केस दर्ज इस घटनाक्रम के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए गोली चलाने वाली सुनीता सिंह के खिलाफ हत्या के प्रयास का अपराध दर्ज कर उन्हें जेल भेज दिया है। वहीं दूसरी ओर बाबा राजा (रूपेन्द्र सिंह) की शिकायत पर उनके साले नागेन्द्र सिंह समेत तीन अन्य लोगों के खिलाफ मारपीट और बलवा का मामला दर्ज किया गया है पूरे मामले की पुलिसिया जांच जारी है।

रात्रि 11 बजे रक्तदान कर पेश की मानवता की मिसाल-उत्तम अग्रवाल बने प्रेरणा, आपातकाल में बचाई मरीज की जान

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मानवता और सेवा भावना का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करते हुए रात्रि 11 बजे एक आपातकालीन स्थिति में रक्तदान कर उत्तम अग्रवाल ने जरूरतमंद मरीज के जीवन को बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई इस कार्य की पूरे क्षेत्र में सराहना की जा रही है रक्त प्रेरक एवं सिन्धु विकास समिति के अध्यक्ष विनोद गेलानी के अनुरोध पर उत्तम अग्रवाल ने बिना देर किए अस्पताल पहुंचकर स्वेच्छा से रक्तदान किया। यह रक्तदान उस समय किया गया जब अधिकांश लोग रात्रि विश्राम कर रहे थे, लेकिन सूचना मिलते ही उन्होंने तत्परता दिखाते हुए मानवता की मिसाल कायम की गेलानी ने बताया कि रात्रि के समय रक्त की तत्काल आवश्यकता होने पर जैसे ही सूचना मिली, उत्तम अग्रवाल तुरंत अस्पताल पहुंचे और रक्तदान कर मरीज के जीवन की रक्षा में अपना योगदान दिया। उन्होंने कहा कि यह

घटना साबित करती है कि सेवा का कोई समय नहीं होता और मानव जीवन को बचाना सबसे बड़ा पुण्य कार्य है इस अवसर पर रक्तदान प्रक्रिया में संजय गुप्ता, राजकरण यादव एवं बंसी नागदेव का विशेष सहयोग रहा समिति परिवार ने उत्तम अग्रवाल के इस सराहनीय कार्य की प्रशंसा करते हुए कहा कि समाज में ऐसे सेवाभावी लोग ही मानवता को जीवित रखते हैं और दूसरों के लिए प्रेरणा बनते हैं समिति के सदस्यों ने युवाओं से नियमित रक्तदान करने की अपील की तथा कहा कि जरूरत पड़ने पर आगे आकर जीवन बचाने का संकल्प लेना चाहिए सभी ने रक्तदाता को धन्यवाद देते हुए उनके उज्ज्वल स्वस्थ और दीर्घायु जीवन की कामना की कार्यक्रम के दौरान रक्तदान को महादान बताते हुए अधिक से अधिक लोगों को इस पुण्य कार्य से जुड़ने का संदेश दिया गया, ताकि किसी भी आपात स्थिति में किसी की जान न जाए और समाज में सेवा की भावना और मजबूत हो सके।

जन कल्याण शिविरों में 16504 आवेदनों का निराकरण, 70 प्रकरण शेष

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। राज्य शासन के निर्देशानुसार 12 से 18 जून तक नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में आयोजित तीन दिवसीय जन कल्याण शिविरों का आयोजन किया जा रहा है जनकल्याण शिविरों के छठवें दिन तक सतना जिले में कुल 16574 आवेदन प्राप्त हुए हैं जिनमें से 16504 आवेदनों का निराकरण कर दिया गया है जबकि 70 प्रकरण लंबित हैं जिन पर कार्यवाही जारी है जिले में आयोजित शिविरों में सतना नगर निगम क्षेत्र में 3158 आवेदन प्राप्त हुए जिनमें से 3150 का निराकरण कर दिया गया है और 8 आवेदन लंबित हैं इसी प्रकार जनपद पंचायत सोहावल में प्राप्त 2483 आवेदनों में से 2481 का निराकरण किया गया है। वहीं नागौद विकासखण्ड में 1650 आवेदन में 1650, जनपद पंचायत उचेहरा में 1614 में 1611 तथा मझगवां में 2847 में से 2847 आवेदनों का पूर्ण निराकरण किया गया।

सतना अस्पताल में युवक ने मांगी ' मरने की दवा'पारिवारिक कलह से परेशान होकर पहुंचा

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना जिले स्थित बिरसिंहपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (PHC) में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां पारिवारिक समस्याओं से परेशान एक युवक ने बाकायदा ओपीडी की पर्ची कटवाई और डॉक्टर से 'मरने की दवा' लिखने की मांग की। डॉक्टर की सूझबूझ और सूचना पर पहुंची पुलिस की त्वरित कार्रवाई से एक बड़ी और संभावित अनहोनी टल गई जानकारी के अनुसार, युवक की पहचान अखिलेश केवट के रूप में हुई है। पारिवारिक तनाव से परेशान होकर वह मझगवां विकासखंड के बिरसिंहपुर अस्पताल पहुंचा था। उसने पहले नियम के अनुसार ओपीडी (OPD) की पर्ची कटवाई इसके बाद वह ड्यूटी पर मौजूद चिकित्सक डॉ. सुनील सिंह के पास पहुंचा और सीधे 'मरने की दवा' देने की मांग कर दी डॉक्टर ने बातों में उलझाया, पुलिस को दी सूचना

युवक की अजीब मांग सुनकर डॉ. सुनील सिंह ने स्थिति की गंभीरता को तुरंत भांप लिया। उन्होंने पहले युवक को बातों में उलझाकर शांत करने का प्रयास किया और तत्काल इसकी सूचना स्थानीय पुलिस को दे दी। इसी दौरान अस्पताल में मौजूद किसी अन्य मरीज के परिजन ने इस पूरी घटना का वीडियो बना लिया, जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है पुलिस ने युवक को सुरक्षित परिजनों को सौंपा डॉक्टर की सूचना मिलते ही पुलिस कुछ ही देर में मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने युवक को अपनी कस्टडी में लिया और उसे सुरक्षित उसके घर ले गई।

मझगवां स्टेशन पर सुविधाओं की मांग को लेकर कांग्रेस का ज्ञापन-स्टॉपेज

आरपीएफ चौकी व आरक्षण केंद्र की मांग, 1 जुलाई से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल की चेतावनी

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। रीवा-अनंद विहार ट्रेन के स्टॉपेज सहित रेल सुविधाओं के विस्तार की मांग को लेकर कांग्रेसजनों ने मंडल रेल प्रबंधक पश्चिम मध्य रेलवे के नाम स्टेशन प्रबंधक मझगवां को ज्ञापन सौंपा। इस दौरान क्षेत्र में रेल सुविधाओं की कमी को लेकर नाराजगी जताई गई और मांगें पूरी न होने पर 1 जुलाई से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल की चेतावनी दी गई दमध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व सचिव एवं उत्तर प्रदेश अखिल भारतीय किसान कांग्रेस बुंदेलखंड प्रभारी आशुतोष द्विवेदी ने ज्ञापन में कहा कि मझगवां स्टेशन

मध्यप्रदेश का महत्वपूर्ण प्रवेश द्वार है जो प्रभु श्रीराम की कर्मभूमि एवं तपोभूमि श्रीचित्रकूट धाम का प्रमुख मार्ग भी है। यहां से प्रतिदिन हजारों यात्रियों का आवागमन होता है लेकिन दिल्ली एवं रीवा जैसे प्रमुख मार्गों के लिए पर्याप्त रेल सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्व में स्टेशन परिसर में मौजूद रेलवे सुरक्षा बल (RPF) चौकी को बंद कर दिए जाने से क्षेत्र में आपराधिक गतिविधियों और रेल में चोरी की घटनाओं में वृद्धि हुई है जिससे यात्रियों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं इसके अलावा आरक्षण केंद्र की अनुपलब्धता के कारण स्थानीय लोगों को 40 किलोमीटर दूर सतना जैतवारा या मानिकपुर तक जाना पड़ता है जिससे उन्हें भारी असुविधा का सामना करना पड़ता है आशुतोष द्विवेदी ने मांग की कि रीवा-आनंद विहार ट्रेन का मझगवां स्टेशन पर स्टॉपेज दिया जाए RPF चौकी पुनः स्थापित की जाए तथा स्थायी आरक्षण केंद्र शुरू किया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई तो वे 1 जुलाई से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठेंगे जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी रेल प्रशासन की होगी ज्ञापन सौंपने वालों में डॉ. शमीम सिद्दीकी, चिंतन नामदेव, नयन तोमर, रिक्कू खान, पवन द्विवेदी, सचिन यादव, साहिल सिंह, छन्नन शाही, रवि जैसवाल, अनुज कुशवाहा सहित कई कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

बाल्टी में डूबने से 18 महीने की मासूम की मौत काम पर गई थी मां, डॉक्टरों ने मृत घोषित किया

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। मैहर जिले के रामनगर क्षेत्र में मंगलवार को एक दुखद घटना सामने आई घर में खेल रही 18 महीने की बच्ची की पानी से भरी बाल्टी में डूबने से मौत हो गई मां के काम से लौटने पर बच्ची को बाल्टी में डूबा पाया गया उसे तत्काल अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया घर में खेलते समय हादसा जानकारी के अनुसार वार्ड क्रमांक-4 आईटीआई के पास निवासी संजय कोल की सबसे छोटी बेटी काव्या कोल (18 महीने) मंगलवार सुबह घर में खेल रही थी इसी दौरान वह पानी से भरी बाल्टी के पास पहुंची और संतुलन बिगड़ने से उसमें गिर गई मां के लौटने पर पता चला बताया गया कि सुबह करीब 8 बजे मासूम की मां काम पर चली गई

थीं घर पर उसकी दो बड़ी बहनें भी थीं जो उस समय पानी लेने बाहर गई हुई थीं करीब तीन घंटे बाद मां घर लौटीं तो उन्होंने मासून को बाल्टी में डूबा हुआ देखा। परिजनों ने तत्काल उसे बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया अस्पताल में डॉक्टरों ने जांच के बाद बच्ची को मृत घोषित कर दिया घटना के बाद परिवार में शोक का माहौल है सूचना मिलने पर रामनगर पुलिस मौके पर पहुंची और मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी पुलिस घटना के सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

सतना में वन बंधु परिषद शाखा का भव्य शुभारंभ: नई कार्यकारिणी घोषित, सेवा एवं संस्कार आधारित कार्यों को मिला नया आयाम

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। आदिवासी अंचल में निवासरत बच्चों एवं वयस्कों के शिक्षा स्वास्थ्य संस्कार, स्वावलंबन एवं सर्वांगीण विकास के उद्देश्य से कार्यरत वन बंधु परिषद की सतना शाखा का भव्य शुभारंभ समारोह स्थानीय सरस्वती आवासीय विद्यापीठ में संपन्न हुआ। इस अवसर पर सेवा, समरसता, सांस्कृतिक जागरण एवं राष्ट्र निर्माण के संकल्प को दोहराया गया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वन बंधु परिषद जबलपुर प्रांत के अध्यक्ष गणेश पुरोहित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं वंदे मातरम् के साथ हुआ। परिषद के उपाध्यक्ष डॉ. हेमंत मोढ ने संगठन के सेवा कार्यों एवं उद्देश्यों की विस्तृत जानकारी दी, वहीं संदीप जैन ने

परिषद की संगठनात्मक संरचना एवं चल रहे सेवा प्रकल्पों पर प्रकाश डाला सतना शाखा के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. राकेश अग्रवाल ने कार्ययोजना प्रस्तुत करते हुए कहा कि शाखा द्वारा वनवासी क्षेत्रों में स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण एवं सामाजिक समरसता से जुड़े कार्यक्रम नियमित रूप से संचालित किए जाएंगे उन्होंने समाज के सभी वर्गों से सक्रिय सहभागिता का आह्वान किया इस अवसर पर नवनियुक्त संरक्षक उत्तम बनर्जी एवं मणिकांत माहेश्वरी ने संगठन की एकजुटता और सेवा कार्यों को जनआंदोलन का स्वरूप देने पर बल दिया। मुख्य अतिथि गणेश पुरोहित ने सतना शाखा के गठन की सराहना करते हुए कहा कि परिषद समाज के अंतिम व्यक्ति तक सेवा पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है इस दौरान नई कार्यकारिणी की घोषणा की गई जिसमें अध्यक्ष डॉ. राकेश अग्रवाल, सचिव जाग्रत कपूर एवं कोषाध्यक्ष सीए विराम जैन सहित विभिन्न पदाधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई। नई टीम ने सेवा समरसता और राष्ट्र निर्माण के कार्यों को गति देने का संकल्प लिया कार्यक्रम का सफल संचालन शिवांशु माहेश्वरी ने किया तथा आभार प्रदर्शन सचिव जाग्रत कपूर ने किया समारोह का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

चित्रकूट में पहली बारिश ने खोली सीवर व्यवस्था की पोल गऊघाट से मंदाकिनी नदी में बह रहा गंदा पानी, श्रद्धालुओं में आक्रोश

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना जिले के विश्व प्रसिद्ध तीर्थ स्थल चित्रकूट में पहली ही बारिश ने प्रशासनिक दावों की हकीकत उजागर कर दी है गऊघाट क्षेत्र में सीवर लाइन की खराब व्यवस्था के कारण मैनहोल ओवरफ्लो होकर गंदा पानी सीधे पवित्र मंदाकिनी नदी में मिल रहा है जिससे नदी का जल गंभीर रूप से प्रदूषित हो रहा है स्थानीय लोगों के अनुसार, बारिश शुरू होते ही सीवर लाइन चोक हो गई और मैनहोल से गंदा पानी तेज़ी से बाहर निकलने लगा, मानो कोई ज्वालामुखी फूट पड़ा हो। यह दूषित पानी सीधे नदी में मिलकर न केवल जल की शुद्धता को प्रभावित कर रहा है, बल्कि घाट के आसपास भारी दुर्गंध और गंदगी का वातावरण भी उत्पन्न कर रहा है लाखों रुपये की लागत से तैयार की गई इस सीवर परियोजना की गुणवत्ता पर

अब गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं पहली ही बारिश में सिस्टम की विफलता ने विकास कार्यों की वास्तविक स्थिति सामने ला दी है। स्थानीय निवासियों और श्रद्धालुओं में इस स्थिति को लेकर भारी नाराजगी देखी जा रही है श्रद्धालुओं का कहना है कि चित्रकूट, जिसे प्रभु श्रीराम की तपोभूमि माना जाता है वहां इस प्रकार की अव्यवस्था धार्मिक आस्था को ठेस पहुंचाने वाली है। लोगों ने प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप कर सीवर व्यवस्था के स्थायी समाधान और मंदाकिनी नदी की स्वच्छता सुनिश्चित करने की मांग की है स्थानीय नागरिकों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द सुधारात्मक कदम नहीं उठाए गए तो यह समस्या और गंभीर रूप ले सकती है जिससे तीर्थ क्षेत्र की पवित्रता और पर्यावरण दोनों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।